www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 शिक्षकों की शिक्षा पर भी देना होगा ध्यान, गुणवत्ता और नवाचार के लिए समर्पित अध्यापक सबसे महत्वपूर्ण आधार

भारत बोला- परमाणु धमकी पाकिस्तान की आदत 06

वर्ष :17 | अंक :132 | प्रयागराज , मंगलवार , 12 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

पुराने विवाद को लेकर व्यक्ति पर गोली चलाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नेहरू विहार इलाके में पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति पर गोली चलाने के आरोप में 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की यह घटना चार फरवरी को रात करीब आठ बजे हुई। उसने बताया कि पीड़ित नसीम (36) ने पुलिस से शिकायत की कि जब वह स्कूटर से नेहरू विहार इलाके से गुजर रहा था, तभी मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने उसका पीछा किया और उनमें से एक ने उस पर गोली चला दी। नसीम के मुताबिक, गोलीबारी के बाद तीनों हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दयालपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि नसीम पर गोली चलाने वाले युवक की पहचान हारुन सैफी के रूप में हुई है, लेकिन वह बार-बार छापेमारी के बावजूद गिरफ्तारी से बचता रहा, जिसके बाद अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया। अधिकारी के अनुसार, बाद में पुलिस ने हारुन सैफी का पता लगा लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

केरल के लापता नाविक से जुड़े मामले की जांच सीबीआई ने संभाली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आठ साल पहले एक जहाज से रहस्यमयी तरीके से लापता हुए नाविक अभिनंद येसुदासन से जुड़े मामले की जांच अपने हाथ में ली है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अभिनंद जहाज पर पाइप फिटर के रूप में काम करते थे। सीबीआई ने केरल उच्च न्यायालय के आदेश पर जांच की जिम्मेदारी संभाली है। अदालत ने अभिनंद के पिता येसुदासन की याचिका पर सुनवाई के दौरान मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया था। केरल के कोल्लम निवासी अभिनंद (21) संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह में एरीज मरीन्स एलएलसी नामक कंपनी में काम करते थे। वह 21 मार्च 2017 को मिस्र से सऊदी अरब के जेद्दाह जा रहे एक जहाज पर अपनी तैनाती के दौरान लापता हो गए थे। अभिनंद के पिता ने राज्य पुलिस को दी गई शिकायत में कहा था कि उनके बेटे ने मिस्र और तुर्किये से कई बार फोन पर परिवार से संपर्क किया था और इस दौरान वह बहुत खुश लग रहा था। पिता ने आरोप लगाया था कि 17 मार्च 2017 को अभिनंद ने परिवार के सदस्यों को बताया था कि अन्य सहकर्मी कार्य अनुभव की कमी के कारण उन्हें परेशान कर रहे थे।

एकजुट हुआ विपक्ष... संसद से चुनाव आयोग दफ्तर तक मार्च

राहुल-प्रियंका, अखिलेश को हिरासत में लिया, 2 घंटे बाद छोड़ा; प्रदर्शन के दौरान 2 महिला सांसद बेहोश हुईं

आरोप

दोनों सदनों के विपक्षी दल संसद भवन स्थित मकर द्वार से दिल्ली के निर्वाचन सदन स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकालेंगे। सुबह 11:30 बजे शुरू होने वाला यह मार्च ट्रांसपोर्ट भवन से होकर गुजरेगा।

एजेंसी

नई दिल्ली , वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर विपक्ष के 300 सांसदों ने सोमवार को संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई, जहां से 2 घंटे बाद रिहा कर दिया गया। हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। ये एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है, इसलिए हमें साफ वोटर लिस्ट चाहिए। वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सरकार डरी हुई है और कायर है। मार्च के दौरान अखिलेश ने बैरिकेडिंग फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश की। जब सांसदों को आगे नहीं जाने दिया गया तो वे जमीन पर बैठ गए। प्रियंका, डिंपल समेत कई सांसद 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाते दिखे। प्रदर्शन के दौरान टीएमसी सांसद मिताली बाग और महुआ मोइत्रा की तबीयत बिगड़ गई। बेहोश हो गईं। राहुल गांधी और अन्य सांसदों ने उनकी मदद की। इससे पहले दोनों सदनों में इस मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ। कांग्रेस जयराम रमेशः चुनाव आयोग चुनाव आयोग है, ये चुराओ आयोग नहीं हो सकता। कांग्रेस सांसद अमर सिंहः चुनाव आयोग की समस्या ये है कि वो किसी भी सवाल का जवाब नहीं देता; बल्कि बीजेपी हर सवाल का जवाब देती है। उन्होंने खुद साबित कर दिया कि चुनाव आयोग और सरकार एक ही हैं। कांग्रेस केसी वेणुगोपालः देश में कैसा लोकतंत्र है। सांसदों को चुनाव आयोग जाने की आजादी नहीं है। भाजपा सांसद सौमित्र खानः कांग्रेस नहीं चाहती कि भारत में कोई भी भारतीय वोट करे। वो भारत को एक धर्मशाला बनाना चाहते हैं ताकि कोई भी बांग्लादेशी या पाकिस्तानी यहां आए तो वोटर बन जाए। वो तो उन लोगों के भी वोट चाहते हैं जो मर चुके हैं। ये कैसे मुमकिन है? जो मर चुका है वो वोट नहीं दे सकता। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहाः कांग्रेस पार्टी और विपक्ष ने बहुत समय बर्बाद किया है। अब हम देश और संसद का समय और बर्बाद नहीं होने देंगे।

वोटर वेरिफिकेशन को लेकर राहुल ने चुनाव आयोग से सवाल किए

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी पर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रेजेंटेशन दिया। राहुल ने स्क्रीन पर कर्नाटक की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में संदिग्ध वोटर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे देखने के बाद हमारा शक पुख्ता हुआ कि चुनाव में चोरी हुई है। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट नहीं देने से हमें भरोसा हुआ कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र के चुनाव की चोरी की है।

राहुल बोले- चुनाव आयोग का डेटा फटेगा, खड़गे ने कहा- ये वोटों के अधिकार की लड़ाई

राहुल गांधीः 'ये चुनाव आयोग का डेटा है, मेरा डेटा थोड़ी है जो मैं साइन करूं। हमने आपको (आयोग) ही दिया है, आप अपनी वेबसाइट पर डाल दीजिए, सबको पता लग जाएगा। ये सिर्फ बेंगलुरु में नहीं, देश के अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में हुआ है। चुनाव आयोग जानता है कि उसका डेटा फटेगा, इसलिए उसे कंट्रोल करने और छिपाने की कोशिश हो रही है।'

बैरिकेड कूदकर निकले अखिलेश यादव, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

सोमवार को विपक्षी दल के सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया और बिहार चुनाव आयोग के विरोध में संसद भवन स्थित मकर द्वार से निर्वाचन सदन स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकाला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने परिवहन भवन में बैरिकेड्स लगाकर मार्च को रोक दिया। इस बीच, अखिलेश यादव समेत कई नेताओं की तस्वीरें सामने आईं, जिनमें वे कई बैरिकेड्स कूदते हुए दिखाई दिए। फिलहाल उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंडिया ब्लॉक के सांसद चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान वोट चोरी के आरोपों पर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए संसद से चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की कोशिश की।

दिल्ली पुलिस बोली

सांसदों ने मार्च के लिए अनुमति नहीं मांगी मार्च संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ। सांसदों के हाथों में 'वोट बचाओ' के बैनर थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक ने मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी है, इसलिए इलेक्शन कमीशन जाने से पहले ही मार्च को परिवहन भवन के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया।

मल्लिकार्जुन खड़गेः यह लोगों के वोट के अधिकार की रक्षा की लड़ाई है। यह लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष है।

'देख लिया, विपक्ष अब सुधरने वाला नहीं... जरूरी बिल पास होंगे', कांग्रेस और विपक्षी दलों पर बरसे किरेन रिजिजू

सूत्रों की मानें तो सरकार कुछ और बिल पास करवाने के बाद संसद के दोनों सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित भी कर सकती है।

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने सोमवार को साफ कर दिया कि विपक्ष के हंगामे की वजह से लगातार समय और पैसे बर्बाद हो रहे हैं। लिहाजा सरकार लोकसभा और राज्य सभा दोनों में महत्वपूर्ण बिल को पारित करवाने का काम करेगी। वहीं, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के प्रदर्शन और सदन में लगातार हो रहे हंगामे पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। सोमवार को संसद के अंदर और बाहर दोनों में ही विपक्षी सांसदों ने बिहार की मतदाता सूची को लेकर धरना प्रदर्शन किया। साथ ही केंद्र सरकार पर विपक्ष की बात नहीं सुनने का आरोप भी लगाया। विपक्ष ने ये साफ कर दिया कि एसआईआर का मुद्दा जब तक सरकार वापस नहीं लेती तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा।

यूपी के फतेहपुर में मकबरे पर भगवा लहराया, बवाल-पथराव, तोड़फोड़

हिंदू संगठनों का मंदिर होने का दावा; सड़क पर जाम लगाकर हनुमान चालीसा पढ़ी

एजेंसी

फतेहपुर, यूपी में संभल के बाद अब फतेहपुर में मंदिर-मस्जिद विवाद शुरू हो गया। यहां सोमवार सुबह करीब 10 बजे अचानक बजरंग दल, हिंदू महासभा समेत कई हिंदू संगठनों के 2 हजार लोग ईदगाह में बने मकबरे पर पहुंच गए। पुलिस ने पहले से मकबरे के चारों तरफ बैरिकेडिंग कर दी थी, लेकिन लाठी-डंडे से लैस हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने मकबरे को मंदिर बताकर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी। कुछ युवकों ने मकबरे की छत पर चढ़कर भगवा झंडा लगा दिया। हिंदू महासभा के नेता मनोज त्रिवेदी भीड़ के साथ मकबरे के अंदर पहुंचे और पूजा करने लगे। मकबरे पर भगवा झंडा और पूजा-पाठ देख मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए। करीब डेढ़ हजार मुस्लिम ईदगाह पहुंच गए। इसके बाद दोनों तरफ से पथराव होने लगा। पुलिस ने लाठियां चलाकर भीड़ को खदेड़ना शुरू किया। बवाल इतना बढ़ा कि 10 थानों की फोर्स बुलाई गई। इसके बाद हिंदू संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता मकबरे से 500 मीटर दूर डाक बंगला चौराहे पर जाम लगा दिया। सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे।

बजरंग दल ने दावा किया है कि यह ढांचा मंदिर है और मांग की है कि उन्हें यहां पूजा करने की अनुमति दी जाए। बजरंग दल के फतेहपुर ज़िला सह-संयोजक धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि हम दोपहर में यहीं पूजा-अर्चना करेंगे। प्रशासन हमें रोक नहीं पाएगा।

शहर काजी बोले- कोई हंगामा न करे

शहर काजी सईदुल इस्लाम अब्दुल्ला ने मुस्लिम समुदाय से शान्ति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा- इन लोगों ने शहर का अमन चैन खराब करने के लिए हुड़दंग किया है, लेकिन हमें शांत रहना है। प्रशासन अपना काम करेगा।

बिहार में अजब-गजब मामला...

डोनाल्ड ट्रंप, डॉग बाबू के बाद अब बिल्ली के नाम से आया आवासीय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन

एजेंसी

बिहार में कुत्तों के लिए आवासीय प्रमाण पत्र के आवेदनों के बाद, सोमवार को रोहतास में एक बिल्ली के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन किया गया। आवेदक का नाम कैट कुमार, जिसमें पिता के रूप में कैटी बॉस और माता के रूप में कैटिया देवी लिखा था। रोहतास की जिलाधिकारी (डीएम) उदिता सिंह के निर्देश पर, नासरीगंज के राजस्व अधिकारी कौशल पटेल ने नासरीगंज थाने में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामले की जाँच जारी है।

उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा?

विधानसभा में समाजवादी पार्टी पर योगी का तंज

राज्य भर के उदाहरणों का हवाला देते हुए योगी ने कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा के कुकर्मों के बारे में सबको पता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग-अलग छोर हैं। सदन को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग-अलग छोर हैं। उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा? लोकतंत्र की बात करना उन्हें शोभा नहीं देता। संभल में उन्होंने क्या किया, यह सबको पता है। राज्य भर के उदाहरणों का हवाला देते हुए योगी ने कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा के कुकर्मों के बारे में सबको पता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया। अगर एनडीए सरकार विकास करना चाहती है, तो आपको (समाजवादी पार्टी को) बुरा लग रहा है। हम पूरे प्रदेश के व्यापारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। सपा शासन में व्यापारियों पर गुंडा टैक्स लगाया जाता था। अपनी आलोचना जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वजह से व्यापारी आपसे नाराज हैं और समाजवादी पार्टी को इसका खामियाजा बार-बार भुगतना पड़ रहा है।

सपा का विरोध, 18 विधायकों ने प्रश्न नहीं पूछे

सतीश महाना ने स्वामी ओमवेश से कहा- आप तो स्वामी हो, आप ही पूछ लीजिए

लखनऊ, यूपी विधानसभा सत्र के पहले दिन की शुरूआत हंगामे के साथ हुई। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने गोरखपुर दौरे के दौरान उनके साथ हुई बदसलूकी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मुझे गाड़ी से खींचने की कोशिश की गई। इस मामले पर सपा विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। नारे लगाए- ब्राह्मण विरोधी सरकार नहीं चलेगी। सीएम योगी ने माता प्रसाद पांडेय को जवाब दिया। कहा- आप वरिष्ठ हैं। कुछ लोग आपके कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे। आपको ऐसा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर के मुद्दे पर सपा की राजनीति को नकारात्मक और विकास विरोधी करार दिया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मोदी से फोन पर बातचीत की

रूसी हमलों की जानकारी दी, कहा- भारत शांति प्रयासों का समर्थन कर रहा

युद्ध का अंत शांति और मजबूत सुरक्षा ढांचे के साथ होना चाहिए। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले हैं। इसमें जंग खत्म करन पर बात होनी है।

जेलेंस्की ने कहा कि- भारत हमारे शांति प्रयासों का समर्थन कर रहा है और इस बात पर सहमत है कि यूक्रेन से जुड़ा हर फैसला यूक्रेन की भागीदारी के साथ ही होना चाहिए।

एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को पीएम मोदी को फोन कर बातचीत की। जेलेंस्की ने पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लंबी बातचीत की। हमने द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक कूटनीतिक पर विस्तार से चर्चा की। जेलेंस्की ने मोदी को यूक्रेन पर रूसी हमलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- मैंने उन्हें (पीएम मोदी को) हमारे ऊपर रूसी हमलों के बारे में बताया, खासकर कल जापोरिझिया में बस स्टेशन पर हुए हमले के बारे में, जहां रूस ने जानबूझकर एक शहर पर बमबारी की, जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए। जेलेंस्की ने भारत को रूस से तेल खरीद कम करने को कहा जेलेंस्की ने मोदी से रूस पर प्रतिबंध लगाने पर भी बात की और रूस के तेल निर्यात को सीमित करने को कहा। जिससे जंग को बढ़ाने की उसकी क्षमता कम हो सके।

कपिल शर्मा की सिक्योरिटी बढ़ी

बिश्नोई गैंग की धमकियों के बाद पुलिस का एक्शन

कनाडा के सरे स्थित कपिल के कैफे पर 7 अगस्त को एक और हमला हुआ था, जो एक महीने से भी कम समय में गोलीबारी की दूसरी घटना थी। इससे पहले 9 जुलाई को भी कैफे पर गोलीबारी हुई थी, जिससे कैफे और उससे जुड़े सभी लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई थीं।

एजेंसी

कनाडा स्थित कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे में हाल ही में हुई गोलीबारी की दो घटनाओं और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की कथित धमकियों के बाद मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार, एहतियात के तौर पर शर्मा के परिवार की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

कनाडा के सरे स्थित कपिल के कैफे पर 7 अगस्त को एक और हमला हुआ था, जो एक महीने से भी कम समय में गोलीबारी की दूसरी घटना थी। इससे पहले 9 जुलाई को भी कैफे पर गोलीबारी हुई थी।

इस्तीफा राहुल गांधी के खिलाफ बयान पड़ गया भारी

कर्नाटक के मंत्री केएन राजन्ना ने पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक में एक नाटकीय राजनीतिक मोड़ के तहत, सहकारिता मंत्री और कांग्रेस नेता केएन राजन्ना ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों की खुलेआम आलोचना करने के बाद दिया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान पार्टी के शीर्ष नेता के खिलाफ राजन्ना की टिप्पणी से नाखुश था और उसने मुख्यमंत्री को उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि इस कदम से राज्य में राजनीतिक गहमागहमी का एक नया दौर शुरू हो गया है। इससे पहले, राजन्ना ने कहा था कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा था, मैंने अपना इस्तीफा नहीं दिया है। मैं मुख्यमंत्री से बात करूँगा और अपना स्पष्टीकरण दूँगा। हालाँकि, इसके कुछ ही देर बाद, उन्होंने कर्नाटक मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को आलाकमान से स्पष्ट निर्देश मिले थे कि राजन्ना को बिना किसी देरी के मंत्रिमंडल से हटा दिया जाए। हालाँकि राजन्ना ने शुरूआत में पद छोड़ने से इनकार कर दिया था, लेकिन कथित तौर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें आज शाम तक की समयसीमा दी थी और चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया, तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान, मुख्यमंत्री ने राजन्ना के साथ एक अलग बैठक की। इसके तुरंत बाद, राजन्ना ने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया। राजन्ना की यह टिप्पणी तुमकुरु में आई, जहाँ उन्होंने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों की आलोचना की। ऐसा नहीं बोलना चाहिए मतदाता सूची कब बनी थी?

यह मतदाता सूची कांग्रेस के शासनकाल में बनी थी... उस समय कोई क्यों नहीं बोला? आँखें क्यों बंद थीं? अगर मैं अब और बोलूँगा, तो हालात और बिगड़ जाएँगे। यह सच है कि भाजपा ने गलत काम किया है; इसमें कोई शक नहीं। लेकिन यह सब हमारी आँखों के सामने हुआ। यह भी सोचने वाली बात है... हमें भविष्य में और भी ज्यादा सतर्क रहना होगा। इधर राजन्ना की टिप्पणियों को शिवकुमार खेमे के सदस्यों ने अच्छी तरह से लिया और उन पर और अन्य वरिष्ठ नेताओं पर पार्टी हितों के विरुद्ध काम करने का आरोप लगाया.

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को आलाकमान से स्पष्ट निर्देश मिले थे कि राजन्ना को बिना किसी देरी के मंत्रिमंडल से हटा दिया जाए। हालाँकि राजन्ना ने शुरूआत में पद छोड़ने से इनकार कर दिया था, लेकिन कथित तौर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें आज शाम तक की समयसीमा दी थी और चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया, तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा।

मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम पाए गए, एसआईआर से ये विसंगतियां दूर हो सकती हैं: हिमंत विश्व शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता को निर्वाचन आयोग से कहना चाहिए कि वह मतदाता सूचियों को संशोधित करे और मतदाताओं के नाम को उनकी आधार संख्या से जोड़े ताकि एक व्यक्ति दो स्थानों पर वोट न दे सके।

एजेंसी

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में नदी घाटी क्षेत्रों और कई अन्य स्थानों की मतदाता सूचियों में मृत लोगों तथा अन्यत्र रहने वाले लोगों के नाम पाए गए हैं, जबकि इन इलाकों से 100 प्रतिशत मतदान की खबर होती है। उन्होंने रेखांकित किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से मतदाता सूची में ऐसी विसंगतियों को दूर किया जा सकता है। शर्मा ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा होना है। मुख्यमंत्री ने चिरांग में आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा, आप सभी जानते हैं कि असम में, चाहे वह चार (नदी तट इलाके) इलाके हों या अन्य जगह, मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम भरे पड़े हैं। विवाहित बेटियों के नाम नहीं काटे गए हैं। फिर भी, उन जगहों पर 100 प्रतिशत मतदान होता है। उन्होंने दावा किया, जब एसआईआर कराया जाएगा और मतदाता सूची में नामों का आधार संख्या के साथ मिलान किया जाएगा, तो ये समस्याएं सुलझ जाएंगी।

सम्पादकीय

इस तमाशे को बंद करें, चुनाव आयोग पर विपक्षी नेताओं और राहुल गांधी की निराधार आपत्तियां

यह तमाशा तभी बंद हो सकता है जब सर्वोच्च न्यायालय हस्तक्षेप करे। उसे करना भी चाहिए क्योंकि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन का पूरा मामला उसके संज्ञान में है और वह सत्यापन को सही मानकर उसकी सुनवाई भी कर रहा है। अब तो चुनाव आयोग ने यह भी कह दिया कि बिना सूचना और कारण के किसी का नाम मतदाता सूची से नहीं हटेगा।चुनाव आयोग की ओर से बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्षी नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी की निराधार आपत्तियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब तो वे चुनाव आयोग पर भाजपा के लिए धांधली कराने के नए सनसनीखेज आरोप सामने लेकर आ गए हैं। उन्होंने अपने इन आरोपों को एटम बम की संज्ञा दी, लेकिन वैसा कुछ धमाका तो हुआ नहीं, जैसा वे दावा कर रहे थे। जहां चुनाव आयोग चुनावों में धांधली के राहुल गांधी के आरोपों को झूठ बताने में लगा हुआ है, वहीं राहुल एवं कुछ अन्य विपक्षी नेता आयोग को गलत बताने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए हैं।यह संभवतः पहली बार है कि संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष ने आसमान सिर पर उठा रखा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इस काम में नेता विपक्ष राहुल गांधी सबसे आगे हैं। उनकी ओर से बेंगलुरु लोकसभा चुनाव में धांधली के जो तथाकथित प्रमाण दिए गए, उन्हें चुनाव आयोग ने न केवल सिरे से खारिज किया, बल्कि राहुल गांधी से यह भी मांग की कि वे अपने दावे के पक्ष में या तो शपथपत्र दें अथवा अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगें। चुनाव आयोग ने उन्हें चेतावनी भी दी है और कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने तो एक महिला के दो बार वोट डालने के उनके दावे को चुनौती देते हुए उनसे प्रमाण भी मांगे हैं। इसमें संदेह है कि राहुल गांधी अपने दावे के पक्ष में कोई प्रमाण देने का काम करेंगे। उन्होंने अपने दावों के पक्ष में यह कहते हुए शपथपत्र देने से इन्कार किया कि उन्होंने संसद में संविधान की शपथ ले रखी है। यदि ऐसा है तो राफेल मामले में सुप्रीम कोर्ट से क्षमा याचना करते समय उन्होंने हलफनामा क्यों दिया था? क्या इसलिए कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट की ओर से तो ठोस कार्रवाई किए जाने का भय था, लेकिन चुनाव आयोग की किसी कार्रवाई की उन्हें तनिक भी परवाह नहीं? इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची का जो प्रारूप जारी किया है, उस पर नौ दिन बाद भी किसी राजनीतिक दल ने अपनी कोई आपत्ति नहीं दर्ज कराई है। स्पष्ट है कि विपक्षी दल जनता को बरगलाने के लिए झूठे आरोपों के सहारे चुनाव आयोग को बदनाम करने में लगे हुए हैं। यह तमाशा तभी बंद हो सकता है जब सर्वोच्च न्यायालय हस्तक्षेप करे।

आज का विचार

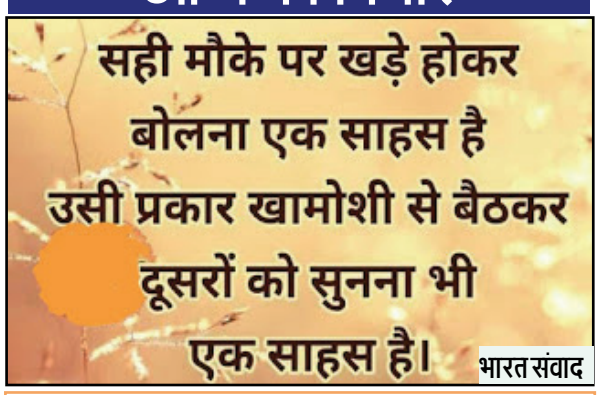

राशिफल

मेष राशि : आपका दिन मिलाजुला रहेगा और नौकरी करने वाले लोग अपने काम में ज्यादा व्यस्त रहेंगे। ऐसे में आसपास के लोग आपकी सराहना भी करेंगे। वहीं, सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों को कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। व्यापार के मामले में दिन की शुरूआत थोड़ी धीमी होगी, लेकिन शाम के समय आपके रुके हुए काम बन सकते हैं।

वृषभ राशि : दिन शुभ और सुकून भरा रहने वाला है। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है और सफलता भी मिलेगी। शासन और सत्ता से मेलजोल होने के कारण आपको अच्छा मुनाफा हो सकता है। आपकी प्रतिष्ठा और पद में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि : आपको किसी भी प्रकार की यात्रा के समय सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा कोई मूल्यवान वस्तु खो या चोरी हो सकती है। ऐसे में यात्रा को इस समय टालना बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त हो सकती है। इसी के चलते मन भी प्रसन्न रहेगा। व्यापार में शाम के समय आपके रुके हुए काम पूरे होंगे और किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है।

कर्क राशि: कारोबार के मामले में आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। चन्द्रमा नवम भाव में होने से आपको उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी।

सिंह राशि : आपकी राशि का स्वामी सूर्य ग्रह चार ग्रहों के बीच में होने से नौकरी में आमदनी के नए स्त्रोत बन सकते हैं। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार कार्यक्षेत्र में सम्मान दिलाएगी। वहीं, विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में विशेष सफलता प्राप्त हो सकती है।

कन्या राशि: दिन उत्तम रहने वाला है और भाग्य का भी आपको पूरा साथ मिलेगा। व्यापार और कारोबार के मामले में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से अब बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि : आपके चारों ओर सुखद वातावरण बना रहेगा, जिससे मन भा प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में चल रही समस्याएं अब दूर हो सकती हैं। वहीं, अगर पैसों की लेन-देन में कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी अब दूर होगी।

वृश्चिक राशि: राशि से मार्गी शनि और पंचम चंद्र योग चलने से आपको सावधान रहने की जरूरत है। साथ ही, स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना होगा। कोई भी समस्या होने पर डॉक्टर के पास जरूर जाएं। व्यापार के मामले में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

धनु राशि: रोजगार और व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। शासन व सत्ता पक्ष से जान पहचान या मित्रता होने से भी आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में भी दिन शुभ रहेगा और किसी मामले में आपको ससुराल पक्ष से धन प्राप्त हो सकता है।

मकर राशि: आर्थिक मामलों में दिन अनुकूल रहने वाला है और आपको बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल पर अधीनस्थ कर्मचारियों का सम्मान और सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ राशि: आपका दिन कुछ परेशानियों और बाधाओं से भरा रह सकता है। व्यापार के मामले में कुछ कार्यों में आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मीन राशि : कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाते समय आपको सावधानी बरतनी होगी। ऐसा न करने से कोई मूल्यवान वस्तु चोरी या खो हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में लेने से बचें और आर्थिक मामलों में भी सतर्क रहें। अगर जीवनसाथी के साथ लंबे समय से किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

शिक्षकों की शिक्षा पर भी देना होगा ध्यान, गुणवत्ता और नवाचार के लिए समर्पित अध्यापक सबसे महत्वपूर्ण आधार

शिक्षा में उत्कृष्टता गुणवत्ता और नवाचार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार प्रशिक्षित प्रतिबद्ध और समर्पित अध्यापक हैं। किसी भी स्कूल या बड़े संस्थान की साख उसके अध्यापकों प्राध्यापकों और प्रबंधकों की नियति लगनशीलता कर्मठता और सत्य-निष्ठा पर निर्भर करती है। इस शाश्वत सत्य को सरकारों को ही नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज को भी स्वीकार करना होगा।

पा शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले वर्षों में कई नई चुनौतियां सामने आएंगी, जिनका सामना केवल वे युवा कर सकेंगे, जिनके पास उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा होगी और जो नए समय के लिए उपयोगी कौशलों से लैस होंगे तथा जीवनभर नए ज्ञान एवं कौशल सीखने के लिए तत्पर रहेंगे। यह उत्कृष्टता उन्हें उन्हीं संस्थानों से प्राप्त होगी, जिनकी कार्यसंस्कृति उच्च स्तर की होगी। कोठारी आयोग (1964-66) की रिपोर्ट आने के बाद देश में शिक्षा के क्षेत्र में गतिविधियां तेजी से बढ़ी थीं। चूंकि तब स्कूलों और प्रशिक्षण संस्थानों का तेजी से विस्तार आवश्यक था और वह तेजी से हुआ भी, इसलिए जब भी किसी व्यवस्था में तेजी से विस्तार होता है, तो गुणवत्ता में कमी को रोकने के विशेष प्रयास करने होते हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया जा सका। शिक्षक प्रशिक्षण में नए निजी संस्थान खोलने की ओर उन लोगों का ध्यान भी बड़ी संख्या में गया, जो इसमें व्यापार की संभावनाएं देखने लगे थे। राज्य सरकारों द्वारा नए सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान खोलने से पीछेहटने से भी उन्हें भारी प्रोत्साहन मिला। शिक्षक प्रशिक्षण में गुणवत्ता का ह्रास वर्ष 1970 के बाद विश्वविद्यालयों द्वारा पत्राचार से बीएड पाठ्यक्रमों के प्रारंभ होने से हुआ। सरकारी विश्वविद्यालयों ने केवल आर्थिक लाभ के लिए बिना पर्याप्त और आवश्यक संसाधन जुटाए ही पत्राचार द्वारा बीएड पाठ्यक्रम प्रारंभ कर दिए थे। इन पाठ्यक्रमों में धनार्जन ही मुख्य लक्ष्य था। वर्ष 1998-99 में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने बिहार के तत्कालीन राज्यपाल को एक प्रतिवेदन देकर प्रस्तुति दी कि कैसे कुछ सरकारी विश्वविद्यालय खुलेआम बीएड की डिग्री बेच रहे हैं। जांच हुई, छापे पड़े, गिरफ्तारियां हुईं तो केवल बीएड ही नहीं, अन्य अनेक विषयों की उपाधियां भी तैयार मिलीं। बिहार बीएड स्कैंडल 1999 के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। फिर क्या हुआ, इसके संबंध में एक अत्यंत कष्टकर वर्णन 2012 में उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आयोग के अध्यक्ष एवं भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेएस वर्मा ने भी लिखा, जो न केवल उनकी पीड़ा को दर्शाता है, बल्कि लगभग सभी नियामक संस्थाओं और व्यवस्था की दयनीय स्थिति का स्पष्ट वर्णन करता है। स्थिति 2020 तक भी वैसी ही रही। उनके कथन को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में दोहराना पड़ा, ...न्यायमूर्ति जेएस वर्मा आयोग (2012) के अनुसार स्टैंडअलोन टीईआइ (शिक्षक शिक्षा संस्थान), जिनकी संख्या 10,000 से अधिक है, अध्यापक शिक्षा के प्रति लेशमात्र गंभीरता से प्रयास नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसके स्थान पर डिग्रियों को बेच रहे हैं। इस दिशा में अब तक किए गए विनियामक प्रयास न तो सिस्टम में बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार को रोक पाए हैं, और न ही गुणवत्ता के लिए निर्धारित बुनियादी मानकों को लागू कर पाए हैं, बल्कि इन प्रयासों का इस क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ परिवर्तनों के साथ ऐसे ही निष्कर्ष विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही अधिकांश नियामक संस्थाओं पर आज भी लागू होते हैं। इनमें से एक राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) ने अभी कुछ महीने पहले अपने लगभग 800 निरीक्षणकर्ताओं को हटाया, क्योंकि उसके कुछ निरीक्षणकर्ताओं को सीबीआइ ने पकड़े थे। जो इसे समझ सकता है, वह यह भी समझ जाएगा कि एनसीटीई की साख में बट्टा लगाने के लिए भी कौन लोग जिम्मेदार थे। इस समस्या का समाधान संभव है। इसका उदाहरण एनसीटीई ने ही 1998 के आसपास देश के समक्ष रख दिया था। एक बड़े राज्य के मंत्रिमंडल ने अक्टूबर/नवंबर में 70 नए बीएड कालेज उसी वर्ष से खोलने की स्वीकृति प्रदान कर दी थी। यह एनसीटीई के नियमों का खुला उल्लंघन था। इस संस्था ने हर संभव प्रयास किया कि इस स्वीकृति को अगले वर्ष तक रोका जाए। न राज्य सरकार से, न मुख्यमंत्री के स्तर पर कोई सुनवाई हुई। फिर एनसीटीई ने साहस दिखाकर 15-20 विज्ञापन अनेक भाषाओं में उस राज्य में ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी जारी कर दिए कि इन संस्थानों से प्राप्त डिग्री अमान्य होगी, अवैध होगी। इस पर बड़ा तहलका मचा। केंद्र सरकार भी इस कार्रवाई से अप्रसन्न थी, मगर संस्था डटी रही। लिहाजा राज्य सरकार को अपना आदेश वापस लेना पड़ा। यही एक पत्राचार विश्वविद्यालय के साथ भी किया गया। अनेक निरीक्षणकर्ताओं से निरीक्षण के दौरान प्राप्त उपहार वापस कराए गए। कई नामी-गिरामी लोगों से आगे निरीक्षण का कार्य ले लिया गया। शिक्षा में उत्कृष्टता, गुणवत्ता और नवाचार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार प्रशिक्षित, प्रतिबद्ध और समर्पित अध्यापक हैं। किसी भी स्कूल या बड़े संस्थान की साख उसके अध्यापकों, प्राध्यापकों और प्रबंधकों की नियति, लगनशीलता, कर्मठता और सत्य-निष्ठा पर निर्भर करती है। इस शाश्वत सत्य को सरकारों को ही नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज को भी स्वीकार करना होगा। उसे हर स्वीकृत पद पर नियमित नियुक्ति पद खाली होने से पहले पूरी करनी होगी। देश के सामने इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

पारिस्थितिकी - सौम्य, शांत जैसा दिखने वाला कबूतर खतरनाक वायरस फैला कर पक्षियों,जीव-जंतुओं और कृषि के साथ मनुष्य के लिए घातक साबित हो रहा

हरीश शिवनानी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गत सप्ताह पुलिस में एक अनूठा मामला दर्ज किया गया है जो संभवतः देश का पहला ऐसा मामला होगा। मुंबई में एक व्यक्ति के विरुद्ध कबूतरों को दाना डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई और 142 लोगों पर 68,700 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। मामला बृहतमुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) से लेकर उच्च न्यायालय तक पहुंच कर देश भर में चर्चित हो गया। बीएमसी ने कबूतरों को मानव-स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताते हुए शहर के कबूतरखानों को बंद करने और खुले चौक वाले स्थानों पर तिरपाल लगाने के आदेश दिए हैं। इससे देश के पक्षी प्रेमियों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों में इस बात को लेकर रोष और विरोध शुरू हो गया है। इसके साथ ही जीवविज्ञानियों और चिकित्सकों में कबूतरों को लेकर बहस छिड़ गई है कि क्या कबूतर जैसा सौम्य, शांत जैसा दिखने वाला पक्षी भी मनुष्य के लिए घातक हो सकता है ? जवाब है हाँ, कबूतर न केवल मानव -स्वास्थ्य बल्कि पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए भी घातक साबित हो रहा है।पिछले कुछ दशकों में कबूतरों की अनियंत्रित बढ़ती आबादी चिंता का विषय बन गई है। इससे न केवल अन्य छोटे पक्षियों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है बल्कि स्थानीय जैव विविधता में भी भारी अंतर आ रहा है। कबूतर कई प्रकार के वायरस का भी संवहन करते हैं जो अस्थमा व साँस की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए काफी खतरनाक, जहरीले साबित हो रहे हैं। एक मादा कबूतर वर्ष भर में 48 बच्चों को जन्म दे सकती है और एक कबूतर एक वर्ष में औसतन 12 किलोग्राम बीट उत्सर्जित करता है जो अत्यधिक अम्लीय तथा जहरीली होती है। सूखने के बाद यह हवा में धूल के साथ मिलकर आसानी से प्रसारित होती है। भारत के हर गांव, कस्बे, शहर में अनेक जगहों पर रोजाना खूब दाना डाला जाता है। अब यह परंपरा घातक हो सकती है।अमेरिका के जैव विज्ञानी और पक्षी विशेषज्ञ रॉबर्ट ए. पियर्स की शोध रिपोर्ट है कि कबूतरों के पंखों की फड़फड़ाहट व इनकी बीट में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवाणु और कीटाणु, कवक, खांसी, जुकाम, अस्थमा और फेफड़ों में संक्रमण सहित अनेक बीमारियों के कारण बन सकते हैं। शोध में कबूतर के बीट व पंखों में 20 से अधिक पैथोजेनिक बैक्टीरिया और फंगस पाए गए। कबूतरों की बीट लंबे समय तक जमा रहने दी जाए, तो हिस्टोप्लास्मोसिस रोग उत्पन्न कर सकती है, जो मानव श्वसन तंत्र को गम्भीर रूप से प्रभावित करता है। कबूतर प्रत्यक्ष रूप से स्वयं ही बीमारी नहीं फैलाते बल्कि वे अन्य पक्षियों में बीमारी के बैक्टीरिया संचारित कर उनके माध्यम से भी इंसानों में प्रसारित करते हैं। मसलन, एक बीमारी है- सिटाकोसिस। यह रोग कबूतरों से विभिन्न पक्षियों की कई अलग-अलग प्रजातियों को प्रभावित कर सकता है। संचरण करते करते संक्रमित पक्षी श्वसन स्रावों और मल के माध्यम से बैक्टीरिया छोड़ते हैं। जब ये स्राव और मल सूख जाते हैं, तो धूल बनकर हवा में फैल जाती है और साँस के जरिए मानव श्वसन तंत्र में प्रवेश कर जाती है। यह श्वसन रोग पक्षियों द्वारा छोड़े गए क्लैमाइडिया सिटासी बैक्टीरिया से होता है। इसे ह्यतोता बुखारह्ण भी कहा जाता है। पिछले 7-8 वर्षों में ऐसी बीमारियों के मामले पांच गुना बढ़ चुके हैं। पक्षियों के अलावा कबूतरों के बाहरी परजीवियों में घुन, पिस्सू, किलनी और कीड़े शामिल हैं जो परोक्ष रूप में घातक बीमारियों के संचरण में सहायक बनते हैं। जीव-पक्षियों, खेतों के लिए भी खतरनाक मानव-स्वास्थ्य के अलावा कबूतर पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं। कबूतर बड़ी मात्रा में बीज और अन्य खाद्य संसाधनों का उपभोग करते हैं, जो अन्य पक्षियों और छोटे जीवों के लिए भोजन की कमी का कारण बनता है। वे घोंसले बनाने की जगह के लिए भी अन्य स्थानीय पक्षियों (जैसे गौरैया, मैना आदि) के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं और छोटे पक्षियों जैसे गोरैया, तोते व अन्य पक्षियों का भोजन भी चट कर जाते हैं; जिससे इन अन्य पक्षियों की संख्या में बेहद कमी आई है, छोटी चिड़िया (गौरेया), जो कीटों का भक्षण करके कृषि में सहायक होती थी, आज विलुप्त प्रायः है तथा कबूतरों के बचे दाने से आकर्षित होकर चूहों की संख्या में वृद्धि भी कृषि के लिए हानिकारक साबित हो रही है। जलाशयों के निकट इनकी उपस्थिति, पंखों से गंदगी, बीट निष्कासन छोटी मछलियों व अन्य जलीय जीवों के लिए भी जहरीली साबित होती है। उनकी अम्लीय बीट मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित लेती है। यह पौधों की वृद्धि को भी नुकसान पहुंचाती है।

यह समस्या भारत की ही नहीं, पूरे विश्व की है। ऑस्ट्रिया के वियना में कबूतरों को दाना डालने पर 36 यूरो जुमार्ना लगता है। स्पेन के कई शहरों में ओविस्टोप नामक ड्रग का प्रयोग इनके दाने में मिलाकर किया जाता है जो एक प्रकार का गर्भ निरोधक है। सैन फ्रांसिस्को के अलावा लन्दन के मशहूर ट्राफलगर स्क्वायर पर कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबन्ध है। इटली के वेनिस शहर में सेंट मार्क स्क्वायर पर दाना बेचने वालों पर कठोर जुमार्ने का प्रावधान है।ऑस्ट्रेलिया, अमरीका, न्यूजीलैंड, कनाडा, जर्मनी जैसे देशों के महानगरों में इन्हें पालना प्रतिबंधित है। भारत में भी इस प्रकार के नियमों की सख्त आवश्यकता है ताकि समय रहते घातक बीमारियों तथा अन्य पक्षियों की संख्या में आ रही गिरावट को रोककर जैव विविधता का संतुलन बनाया जा सके।

स्वतंत्रता दिवसः बाल मन में राष्ट्रीय चेतना जागरण

विनोद बब्बर

79वें स्वतंत्रता दिवस पर भारत की एकता, अखण्डता को अक्षुण रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों, पूरे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा को बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी वैज्ञानिकों, शिक्षकों, सांस्कृतिक राजदूत साहित्यकारों को श्रद्धा से नमन करना कर्मकांड नहीं अपितु हम सब का कर्तव्य है। स्वाभाविक रूप से संपूर्ण राष्ट्र अपने इस कर्तव्य का पालन करेगा। इस अवसर पर देश की भावी पीढ़ी के बाल मन में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के अभियान को गति देना आवश्यक है। प्रत्येक बालक को अपनी मातृभूमि और श्रेष्ठ सांस्कृतिक मूल्यों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।दुनिया भर के मनोवैज्ञानिक एक स्वर में बताते हैं कि श्रेष्ठ संस्कार प्रदान करने का सही समय बचपन ही हो सकता है। केवल भारत ही नहीं, दुनिया का हर विवेकशील राष्ट्र अपने भावी कर्णधारों को स्कूली शिक्षा के साथ राष्ट्रभक्ति के गुणों से भी समृद्ध करने का प्रयास करता है। जापान का वह प्रसंग सर्वविदित है जब स्वामी रामतीर्थ वहां के एक विद्यालय में गए। स्वामी जी ने एक विद्यार्थी से पूछा, बच्चे, तुम किस धर्म को मानते हो? छात्र का उत्तर था, बौद्ध धर्म। स्वामी जी ने फिर पूछा, बुद्ध के विषय में तुम्हारे क्या विचार हैं? विद्यार्थी ने उत्तर दिया, हर रिश्ते नाते में प्रथम बुद्ध हमारे भगवान हैं। इतना कह कर उसने अपने देश की प्रथा के अनुसार भगवान बुद्ध को सम्मान के साथ प्रणाम किया। अनेक प्रश्नों के अंत में स्वामी जी ने पूछा, बेटा, अगर किसी दूसरे देश से जापान को जीतने के लिए एक भारी सेना आए और उसके सेनापति बुद्ध हों तो उस समय तुम क्या करोगे? इतना सुनते ही छात्र का चेहरा क्रोध से तमतमा उठा। अपनी लाल-लाल आंखों से स्वामी रामतीर्थ को घूरते हुए उसने जोश से कहा, तब मैं अपनी तलवार से बुद्ध का सिर काट दूंगा।समाज और राष्ट्र के भावी स्वरूप की पृष्ठभूमि तैयार करने में श्रेष्ठ बाल साहित्य और शैक्षिक पाठ्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार ने शिक्षा नीति में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं लेकिन स्कूली पाठ्यक्रम में देश प्रेम और संस्कृतिके प्रति जागृत करने वाली सामग्री का अभाव दिखाई देता है। बदलते परिवेश में समाज- परिवार भी अपने बच्चों को श्रेष्ठ संस्कार और विचार रूपी खाद प्रदान करने के प्रति बहुत सजग नहीं है। इसी कारण परिस्थितियां हमारे बच्चों को मोबाइल, इंटरनेट गेम आदि की ओर धकेल रही हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि परिवारों में साहित्य और संस्कृति से संबंधित साहित्य का पठन-पाठन लगभग बंद हो गया है। ऐसे में हमारे बच्चे भी बाल साहित्य की पत्रिकाओं से दूर गेम डाउनलोड करने अथवा यू-ट्यूब पर वह सब देख-सुन रहे हैं जो इस आयु में उनसे दूर होना चाहिए था। ऐसा नहीं है कि इन परिस्थितियों और उनके विस्फोटक परिणाम की जानकारी न हो। परंतु न जाने क्यों अभिभावक, शिक्षक, समाज, सरकार सब लगभग मौन हैं। कटु सत्य तो यह कि कुछ पत्रिकाओं को छोड़ अधिकांश साहित्यकार भी देश प्रेम और संस्कृति से संबंधित सरस रचनाएं लिखना भूल दिखावटी प्रेम और तथाकथित आधुनिकता के रंग में रंगा भ्रमित है। ऐसे में जापान जैसी भावना हमारे छात्र में भला कैसे संभव है? उसके लिए तो अपने स्कूली पाठ्यक्रम से बाल-साहित्य, लोक-व्यवहार, खेलों, गीतों, फिल्मों, टीवी चैनलों पर प्रसारित किये जा रहे कार्यक्रमों को राष्ट्रीय चेतना से समृद्ध करना होगा। राष्ट्रीय चेतना के विकास में बाधक उपसंस्कृति को हतोत्साहित करना होगा। ज्ञातव्य है कि महात्मा गांधी भी बच्चों में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के प्रबल पक्षधर थे इसलिए उन्होंने बच्चों के लिए धार्मिक संदेशों व शिक्षा पर आधारित बाल पोथी और नीति धर्म नामक पुस्तकें तैयार की।

प्रेमी से विवाद के बाद नाबालिग ने लगाई फांसी

लड़की के मोबाइल से मिली विवाद की जानकारी, गांव के ही लड़के से करती थी बात

भारत संवाद

प्रयागराज, नाबालिग लड़की ने सुसाइड कर लिया। मौत से पहले उसका अपने बॉयफ्रेंड से झगड़ा हुआ था। लड़की के परिजनों ने बताया कि वह हाईस्कूल पास थी और गांव के ही एक लड़के से बात करती थी। उन्होंने कई बार रोक-टोक की, लेकिन लड़की चुपके से बात करती रही। जिससे विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया। धूमनगंज थाना निवासी लड़की के परिजनों ने बताया कि वह हाईस्कूल पास थी और गांव के ही एक लड़के से बात करती थी। उन्होंने कई बार रोक-टोक की, लेकिन लड़की चुपके से बात करती रही। रविवार को दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। वह घर पर अकेली थी उसकी मां छत पर काम कर रही थी, इसी दौरान उसने फांसी लगा ली। लड़की के पिता ने रोते हुए बताया कि उन्होंने मेहनत-मजदूरी करके अपने बच्चों को पाला था, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनकी बेटी ऐसा कदम उठाएगी। मौके पर मोबाइल मिला जिसमें कॉल डिटेल के माध्यम से जानकारी मिली कि वह गांव के ही एक लड़के से बात करती थी, जिससे उसका विवाद हुआ था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। लड़की दो लड़कों और दो लड़कियों में बीच की थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। प्रशासन ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

सड़क पर उतरे सपाई, विरोध प्रदर्शन

चक्का जाम, यातायात ठप; नेताओं ने कहा-आंदोलन जारी रहेगा

भारत संवाद

प्रयागराज, दिल्ली में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पुलिस ने हिरासत में लिए जाने के बाद पूरे प्रदेश में सियासत गर्मा गई है। विरोध में सोमवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेशभर में सड़कों पर उतर आए और जगह-जगह प्रदर्शन करने लगे। प्रयागराज में भी इस गिरफ्तारी का व्यापक विरोध देखने को मिला। सुभाष चौराहे पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और नेता एकत्र हुए और केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ता पुलिस प्रशासन से टकराव की स्थिति में पहुंच गए, जब उन्होंने विरोध स्वरूप पुतला जलाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने पुतला जलाने से रोक दिया, जिसके बाद आक्रोशित कार्यकर्ता सड़क पर ही बैठ गए और चक्का जाम कर दिया। इस दौरान सुभाष चौराहे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने समझाने की कोशिश की, लेकिन सपा कार्यकर्ता अपने नेता के समर्थन में अड़े रहे और लगातार नारे लगाते रहे तानाशाही नहीं चलेगी अखिलेश यादव जिंदाबाद और लोकतंत्र बचाओ जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। सपा नेता संदीप यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वर्तमान सरकार पूरी तरह से तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जताने और ज्ञापन देने का अधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक अखिलेश यादव को रिहा नहीं किया जाता और लोकतांत्रिक अधिकारों की गारंटी नहीं दी जाती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर हटाया, जिससे यातायात बहाल हो सका। हालांकि, सपा कार्यकताओं ने साफ कहा कि यह विरोध केवल शुरूआत है और आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

फास्ट ट्रैक

थाना जमालपुर पुलिस द्वारा धर्मान्तरगण के अभियोग से सम्बन्धित 04 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार, धार्मिक पुस्तक व पोस्टर बरामद

भारत संवाद

थाना जमालपुर, जनपद मीरजापुर पर आज दिनांकः10.08.2025 को वादी ओंमकार नाथ केशरी पुत्र श्यामनारायण केशरी निवासी रघुनाथपुर थाना बबुरी जनपद चन्दौली(हालपता-ग्राम डबक थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर) द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध धर्म का प्रचार करने के बहाने गांव के भोले-भाले लोगों को पैसा इत्यादि का प्रलोभन व लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जमालपुर पर मु0अ0सं0-127/2025 धारा 3/5(1) उ0प्र0विधि विरूद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।सोमेन बर्माह्व वरिष्ठपुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष जमालपुर को अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना जमालपुर पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में त्वरित कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः11.08.2025 को उप-निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना जमालपुर क्षेत्रान्तर्गत डबक नहर के पास स्थित एक मकान से नामजद 04 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता 1.चन्दन राम पुत्र स्व0रामाराव भारती, 2.ऋतु पत्नी चन्दन राम निवासीगण रामपुर चमरही थाना बबुरी जनपद चन्दौली, 3.जगदीश राम पुत्र भैरोराम निवासी सिकरी थाना बबुरी जनपद चन्दौली, 4.रामलोचन राम पुत्र स्व0सदुलाल निवासी सरने थाना अलीनगर जनपद चन्दौली को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास 01 अदद बैग, 07 अदद धार्मिक पुस्तक व 06 अदद पोस्टर बरामद किया गया। थाना जमालपुर पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को मा0न्यायालय/जेल भेजा जा रहा है।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत एनडीपीएस एक्ट के अभियोग से सम्बन्धित आरोपी को करायी गयी 03 माह 15 दिवस के सश्रम कारावास एवं ? 4000/- के अर्थदण्ड की सजा

भारत संवाद

श्रीमान्-पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पीयूष मोर्डिया अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन में, आर.पी.सिंह पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर के नेतृत्व में सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में महिला सम्बन्धित अपराध सहित लूट,हत्या,डकैती,धर्म परिवर्तन,गोवध अधिनियम व अन्य जघन्य अपराधों में प्राथमिकता के आधार पर लगातार गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन की सशक्त एवं प्रभावी पैरवी करायी जा रही है। उक्त अभियान के क्रम में थाना चील्ह पर एनडीपीएस एक्ट से सम्बन्धित पंजीकृत अभियोग में पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए गवाहों को मा0न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर गवाही करायी गयी। अभियोजन अधिकारी-एडीजीसी राजेश कुमार यादव, विवेचक-उपनिरीक्षक सुभाषचन्द्र यादव, पैरोकार-मुख्य आरक्षी राममूरत सिंह यादव व कोर्ट मुहर्रिर-मुख्य आरक्षी हवलदार सिंह यादव द्वारा प्रभावी पैरवी की गयी। जिसके परिणाम स्वरूप मा0न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम मीरजापुर-संतोष कुमार गौतम द्वारा थाना चील्ह पर पंजीकृत मु0अ0सं0-148/2017 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट से सम्बंधित अभियुक्त दीपू उर्फ लखन सोनकर पुत्र गुलाब सोनकर निवासी राजश्री नगर कॉलोनी थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को 03 माह 15 दिवस के सश्रम कारावास एवं ? 4000/- के अर्थदण्ड की सजा सुनायी गयी, अर्थदण्ड अदा न करने की दशा में 15 दिवस के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।

जिलाधिकारी ने दधिकांदों मेला के आयोजन की तैयारियों के सम्बंध में की बैठक

सभी सम्बंधित अधिकारी दधिकांदों मेला क्षेत्रों का भ्रमण कर सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से पूर्ण कराये

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में दधिकांदों मेला के आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के सम्बंध में दधिकांदों मेला आयोजन समितियों के सदस्यों एवं सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में दधिकांदों मेला आयोजन समितियों के सदस्यों से मेले के सकुशल आयोजन के सम्बंध में सुझाव भी मांगे गये, जिसपर समितियों के सदस्यों के द्वारा ढीले एवं जर्जर विद्युत तारों, साफ-सफाई एवं मार्गों को ठीक कराये जाने हेतु कहा गया। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अभियंताओं को दधिकांदों मेला लगने वाले स्थानों तथा मार्गों पर ढीले एवं जर्जर तारों को तत्काल ठीक कराने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने सम्बंधित क्षेत्रों के अपर नगर मजिस्टेज्टों एवं पुलिस अधिकारियों को क्षेत्रों का भ्रमण कर वहां पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने नगर निगम को साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइटों को सही कराने, जल निगम को पीने के पानी की व्यवस्था कराने एवं पीडब्लूडी व नगर निगम को मार्गों को तत्काल ठीक कराये जाने का निर्देश दिया है। साथ ही मेला रूट पर पड़ने वाले सीवर के ढक्कन को भी चेक कर लेने के लिए कहा है, यदि कहीं पर भी ढक्कन खुला हुआ है, तो उसे बंद कर दिया जाये। उन्होंने विद्युत विभाग को मेले के आयोजन के दृष्टिगत निर्बाध विद्युत की व्यवस्था व गलियों में प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को दधिकांदों मेला वाले स्थलों पर अस्थायी चिकित्सा कैम्प, एम्बुलेंस की व्यवस्था किए जाने का निर्देश दिया है तथा अग्निशमन विभाग को मेला वाले स्थलों पर अग्निशमन की गाड़ियों की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने दधिकांदों मेला आयोजन समितियों को अपने वालंटियर नियुक्त करने तथा उनकी सूची उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने मेले के आयोजन के दृष्टिगत टैफ्फिक की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने मेले के रूट पर पड़ने वाले पेड़ों की छटाई भी कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर डीसीपी नगर श्री अभिषेक भारती ने कहा कि मेले में सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगी। सुरक्षा बलों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जायेगी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जायेगी तथा वीडियोग्राफी भी करायी जायेगी। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती विनीता सिंह सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगणों के साथ-साथ दधिकांदों मेला आयोजन समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में स्थित पते पर पंजीकृत 121 राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी

इन राजनैतिक दलों ने पिछले 06 सालों में विधानसभा या लोकसभा का कोई निर्वाचन नहीं लड़ा

- 21 अगस्त, 2025 तक नोटिस के जवाब में प्रत्यावेदन दिया जा सकता है एवं व्यक्तिगत सुनवाई 02 एवं 03 सितम्बर, 2025 को होगी

भारत संवाद

लखनऊः भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के प्राविधानों के अंतर्गत पंजीकृत उत्तर प्रदेश राज्य के 121 पंजीकृत राजनैतिक दलों द्वारा वर्ष 2019 से वर्ष 2024 (06 वर्षों) के मध्य में आयोग द्वारा आयोजित किसी भी निर्वाचन में भाग न लेने वाले दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र० को दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश श्री नवदीप रिणवा ने अवगत कराया कि कारण बताओ नोटिस के सम्बंध में दल के अध्यक्ष/ महासचिव अपना प्रत्यावेदन, शपथ पत्र एवं सुसंगत अभिलेखों सहित 21 अगस्त, 2025 तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र०, के कार्यालय चतुर्थ तल, विकास भवन, जनपथ मार्केट, लखनऊ-226001 को प्राप्त करा सकते हैं एवं सुनवाई हेतु नियत तिथियों-02 एवं 03 सितम्बर, 2025 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र० के समक्ष कार्यालय समय में उपस्थित हो कर व्यक्तिगत रूप से अपना पक्ष रख सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि यदि दल की ओर से कारण बताओ नोटिस के सम्बन्ध में निर्धारित तिथि के भीतर प्रत्यावेदन उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो यह माना जायेगा कि राजनैतिक दल को इस मामले में कुछ नहीं कहना है और संबंधित दल को राजनैतिक दलों की सूची से हटाये जाने के सम्बंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र० की ओर से संस्तुति सहित प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित कर दिया जायेगा।

जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन सिक्स लेन ब्रिज का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने कार्य को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराये जाने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा सोमवार को निमार्णाधीन सिक्स लेन फाफामऊ ब्रिज का बेली कछार एवं फाफामऊ मलाकहरहर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया तथा प्रोजेक्ट से संबंधित सभी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये हैं। उन्होंने निमार्णाधीन सिक्स लेन ब्रिज प्रोजेक्ट, महाकुंभ में बनाए गए स्टील ब्रिज एवं ट्रैफिक मैनेजमेंट के बारे में प्रोजेक्ट मैनेजर से जानकारी ली, जिसपर उनके द्वारा बताया गया कि सिक्स लेन ब्रिज के निर्माण का कार्य चल रहा है और प्रोजेक्ट का लगभग 80 प्रतिशत पूर्ण हो गया है। गंगा जी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण कार्य की प्रगति धीमी हो गयी थी, परंतु जलस्तर में कमी होते ही प्रोजेक्ट को तेजी से पूर्ण किया जाएगा। कार्य में कुल चार हैंगिग पिलर हैं जिनमें 2 पिलर का कार्य पूर्ण हो गया है, एक पिलर में लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है केवल एक पिलर पर कार्य अभी शेष है जो कि तेजी से चल रहा है। पूरे 6 लेन ब्रिज के प्रोजेक्ट को माह जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। महाकुंभ के दौरान प्रतापगढ़ और लखनऊ की ओर से आने वाले ट्रैफिक के मैनेजमेंट के लिए स्टील ब्रिज को बनाया गया था जिसे कुम्भ मेला के पश्चात समाप्त कर दिया गया। जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट मैनेजर से कहा कि ब्रिज के निर्माण में जिला प्रशासन से यदि किसी भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता हो, तो प्रशासन के द्वारा पूरा सहयोग किया जाएगा। उन्होंने निमार्णाधीन सिक्स लेन ब्रिज के अवशेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस श्री अनिमेश वर्मा, रोहित मिश्रा -प्रोजेक्ट मैनेजर, सेतु निगम, परवेज सुल्तान- जेनरल मैनेजर, एसपी सिंगला वरुण वार्ष्णेय, सहायक अधिशासी अभियन्ता, मॉर्थ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ककहरा घाट क्षेत्र में बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

भारत संवाद

प्रयागराज। कल्याणी देवी उपकेंद्र क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार (12 अगस्त) को ककहरा घाट के पास 11 केवी के लटके पोल को दुरुस्त करने के लिए बिजली विभाग मरम्मत कार्य किया जाएगा, अवर अभियंता लवकुश कुमार बिंद ने बताया कि कार्य के दौरान ककहरा घाट सेकंड और वॉटर वर्क सेकंड फीडर की विद्युत आपूर्ति सुबह 11:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से असुविधा के लिए सहयोग की अपील की है।

विधिक सहायता शिविर का किया गया आयोजन

विधिक सहायता केंद्र हमारे भूतपूर्व सैनिक, रक्षा कर्मियों तथा उनके परिवारों को देगा नई दिशा

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ व माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री संजीव कुमार के निदेर्शानुसार नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 के तहत रक्षा कर्मियों, भूतपूर्व सैनिको व उनके परिवारजन को विधिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दिनांक 8.8.2025 को लीगल एड क्लीनिक का उद्घाटन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश कुमार गौतम के द्वारा किया गया था। आज दिनांक 11.8.2025 को जिला सैनिक सहायता एवं पुनर्वास कार्यालय प्रयागराज में विधिक सहायता शिविर का आयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में किया गया। विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हमारे सैनिकों के लिए जो यह विधिक सहायता केंद्र खोला गया है निश्चित ही इसका लाभ हमारे भूतपूर्व सैनिक रक्षा कर्मियों उनके परिवारों को नई दिशा देगा। यहां मुक्त कानूनी सहायता दी जाएगी। जिससे देश की रक्षा में तैनात सैनिकों व उनके परिवारों को कानून की सही जानकारी दी जा सके। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से लीगल एड क्लीनिक के कार्य संचालन हेतु परा विधिक स्वयं सेवक श्री आशीष कुमार को नियुक्त किया गया साथ ही जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय की तरफ से प्राची शुक्ला कनिष्ठ लिपिक को परा विधिक स्वयंसेवक नियुक्त किया गया।

नमन

मातृभूमि के लिए मुस्कुराकर फांसी का फंदा चूमने वाले अमर वीर बलिदानी खुदीराम बोस

खुदीराम बोस के बलिदान दिवस पर उनकी राष्ट्रभक्ति को नमन

भारत संवाद

- परमार्थ निकेतन और श्री जालाराम सेवा मंडल उत्तर गुजरात, रघुवंशी समाज द्वारा आयोजित भंडारा सेवा
- परमार्थ निकेतन में तीनों समय निराश्रतों के लिये निरंतर भंडारा सेवा

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अमेरिका की धरती से क्रान्तिकारी वीर बलिदानी खुदीराम बोस जी को आज उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुये कहा कि आज का दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। यह वही दिन है जब मात्र 18 वर्ष की आयु में एक वीर, निडर और अदम्य साहस से भरे युवा क्रांतिकारी खुदीराम बोस ने हंसते.हंसते फांसी के फंदे को गले लगाया और अपने प्राण मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अर्पित कर दिए। उनका यह बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमिट दीप बन गया। स्कूल के दिनों में ही वे जुगंतर नामक क्रांतिकारी संगठन से जुड़ गए। उन्होंने अपने आदर्श महर्षि अरोबिंदो, बिपिन चंद्र पाल और अन्य क्रांतिकारियों की वाणी और कार्यों के दर्शन कर उनमें राष्ट्र के लिए प्राण देने का संकल्प भरा। उन्होंने स्पष्ट कहा यदि सौ जन्म भी मिले तो मैं हर बार यही मार्ग चुनूंगा। मातृभूमि की सेवा और स्वतंत्रता के लिए प्राण देना मेरा कर्तव्य है। 11 अगस्त 1908 की सुबह जब उन्हें फांसी के तख्ते की ओर ले जाया जा रहा था तब भी उनके चेहरे पर मुस्कान थी और होंठों पर वंदे मातरम् का नारा गूंज रहा था। उनका अदम्य साहस देखकर सभी स्तब्ध रह गए। हजारों भारतीयों की आंखों में आंसू थे लेकिन उनके हौसले और मुस्कुराहट ने हर दिल में क्रांति की ज्वाला जगा दी। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि खुदीराम बोस सिर्फ एक क्रांतिकारी ही नहीं थे, वे एक विचार थे, एक ऐसा विचार जो बताता है कि उम्र कभी भी साहस और बलिदान की राह में बाधा नहीं बनती। उनकी मुस्कुराती हुई शहादत आज भी हर भारतीय के हृदय में यह विश्वास जगाती है कि अपने देश के लिए कुछ भी करना संभव है, बशर्ते हमारे भीतर दृढ़ निश्चय और देशभक्ति का जुनून हो। वीर क्रान्तिकारी खुदीराम बोस का जीवन युवाओं के लिए एक संदेश है कि देश के लिए जियो और यदि आवश्यकता हो तो देश के लिए प्राण भी दो। स्वामी जी ने कहा कि आज का दिन हमारे देश के लिए गर्व और सम्मान का दिन है। जब मात्र 18 वर्ष के युवा खुदीराम बोस ने हंसते-हंसते फांसी का फंदा गले लगाया था। उनके साहस ने पूरे देश के दिलों को झकझोर दिया। उनका छोटी सी उम्र में दिखाया गया इतना बड़ा जज्बा और बलिदान, हमें आज भी प्रेरणा देता है कि देश के लिए कुछ भी किया जा सकता है। खुदीराम बोस की आत्मा आज भी हमारे साथ है, जो हमें बताती है कि स्वतंत्रता की कीमत क्या होती है। आइए, उनके इस अमर बलिदान को याद करें, उन्हें नमन करें और अपने अंदर देशभक्ति की भावना को जागृत करें। उनका बलिदान और जज्बा हम सबके दिलों में हमेशा जीवंत रहेगा। स्वामी जी ने युवाओं का आह्वान करते हुये कहा कि अपने कौशल, समय और ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में समर्पित करना ही सच्ची देशभक्ति है। हर युवा को चाहिए कि वह अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठता हासिल करे और समाज व देश की प्रगति के लिए योगदान दे। अपने अंदर त्याग, अनुशासन और परिश्रम की भावना विकसित करें, क्योंकि यही गुण राष्ट्र को ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, संस्कृति या सेवा जिस भी क्षेत्र में हों, पूरे समर्पण से कार्य करें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि ऋणी कृषकों के लिए 14 अगस्त एवं ऋणी कृषकों के 30 अगस्त

भारत संवाद

मीरजापुर - उप निदेशक कृषि विकेश पटेल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया है कि जनपद मीरजापुर के किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 को बढ़ाते हुए गैर ऋणी कृषकों के लिए 14 अगस्त 2025 तक एवं ऋणी कृषकों के 30 अगस्त 2025 तक कर दिया गया है। प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण फसलों में विपरीत मौसम के कारण क्षति का सामना करना पड़ता है, जिसकी क्षतिपूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि सभी किसान भाई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत अपने फसलों का बीमा अवश्य करा लें। बाढ़ध्कम वर्षा/प्रतिकूल मौसम, फसलों की बुवाई बाधित होने, विलम्ब से होने के कारण उत्पादन में हुई हानि से कृषकों की आय पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, उनको नष्टहुई फसलों की क्षतिपूर्ति प्राप्त हो सके। इसके लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक किसान भाईयों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से आच्छादित किया जाए। इसे लिए ऋणी कृषकों के साथ-साथ गैर ऋणी कृषक भी अपना बीमा करा लें। जिन कृषक बन्धुओं ने अपना के0सी0सी0 बनवाया है वे शीघ्र ही बैंक से सम्पर्क कर अपनी फसलों का बीमा करा लें तथा जिन किसान बन्धुओं ने किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बनवाया है और वे अपनी फसल का बीमा कराना चाहते है तो वे अपने निकट के बैंकों/सी0एस0सी0 पर जाकर आवश्यक दस्तावेज (आधार, खतौनी एवं बैंक पासबुक) के साथ अपनी फसलों का बीमा करा सकते है और अपनी फसलों को नुकसान होने से बचा सकते है। जनपद में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत एस0बी0आई0 जनरल इन्श्योरेंश कम्पनी लिमिटेड को बीमा कम्पनी के रूप में नामित किया गया है। साथ ही यह भी अवगत कराना है कि बीमा कम्पनी के साथ-साथ राजस्व द्वारा भी आपदा क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जायेगा।

खरीफ के समस्त फसलों हेतु 2 प्रतिशत तथा औद्यानिक फसलों हेतु 5 प्रतिशत प्रीमियम निर्धारित है। खरीफ 2025-26 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत धान, मक्का, बाजरा, ज्वार, मूंगफली, तिल, अरहर एवं मिर्च को अधिसूचित किया गया है। जिसमें बीमित धनराशि का 2 प्रतिशत प्रीमियम यथा- धान में 1826 रू0, मक्का में 510 रू0, बाजरा में 626 रू0, ज्वार में 712 रू0, तिल में 220 रू0, मूंगफली में 1612 रू0 व अरहर में 1454 रू0 जमा करके अपनी फसलों का बीमा कराने हेतु घोषणा पत्र भरकर अपने बैक में जमा कर दें। शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु टोल फ्री नम्बर 14447 जारी किया गया है

भाकियू भानू ने किया संगठन विस्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन भानू के द्वारा सुभाष चैधरी को महानगर अध्यक्ष नियुक्त कर अपने संगठन का विस्तार किया गया। महानगर अध्यक्ष नियुक्त होने पर सुभाष चैधरी का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। दिल्ली रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन भानू के जिलाध्यक्ष चैधरी राजू माजरा ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए सुभाष चैधरी को महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया।जिलाध्यक्ष राजू माजरा ने कहा कि नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष सुभाष चैधरी के नेतृत्व महानगर में संगठन और अधिक मजबूत होगा। महानगर अध्यक्ष नियुक्त होने पर सुभाष चैधरी ने भारतीय किसान यूनियन भानू के जिलाध्यक्ष राजू माजरा समेत वरिष्ठ पदाधिकारियो का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है उसे पर ईमानदारी से कार्य कर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन भानू के पदाधिकारियो व कार्यकताओं ने नव नियुक्त महानगर अध्यक्ष सुभाष चैधरी का माल्यार्पण कर बहुत बहुत शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम का सफल संचालन मनजीत सिंह के द्वारा किया गया।इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन भानू के जिला अध्यक्ष राजू माजरा, जिला प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी प्रवेश गुर्जर, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष अकबर चैधरी ,जिला उपाध्यक्ष मांगेराम पांचाल, जिला अध्यक्ष प्रतिनिधि नीरज चैधरी, गंगोह ब्लॉक अध्यक्ष बलवान चैधरी अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष सबन खान , रामपुर नगर अध्यक्ष अजय पंवार, लोक गायक संजय रंधेड़ी, ग्राम अध्यक्ष इरशाद कुरैशी, मनजीत चैधरी समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्र-छात्रा प्रतिभा सम्मान का आयोजन

सच्ची लगन व कठिन परिश्रम से जीवन का मार्ग प्रशस्त करें: नरेन्द्र यादव

भारत संवाद

सहारनपुर (गागलहेडी)। भगवानपुर रोड पर संगम पैलेस में उत्तर प्रदेशीय यादव महासभा द्वारा आयोजित श्री कृष्ण जन्मोत्सव, छात्र छात्र प्रतिभा एवं सेवा निवृत्त कर्मचारियों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सिंचाई विभाग से सेवा निवृत्त मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि हम सब आपके सामने मंच ने कहा कि हम सभी साधारण परिवारों से ही हैं हमने उत्तर प्रदेश पर पहुंचने के लिए दिन-रात पढ़ाई करके ही यह मुकाम हासिल किया है। बच्चों आप ही सच्ची लगन अथक मेहनत करके हमारे जैसा मुकाम प्राप्त कर सकते हो। सभी को आज के प्रतिस्पृधा के दौर में पढ़ाई करके अपना लक्ष्य निर्धारित कर सफलता प्राप्त करें।

अतिथि के पद से बोल हुए पूर्व अपर मुख्य अधिकारी सुनील कुमार यादव ने कहा कि हम लोग आपकी तरह ही गांव से ही है अपने जमाने में स्कूल भी दूर दूर होते थे हमको पैदल ही पढ़ाई के लिए स्कूल में जाना पड़ता था आज तो आपके माता-पिता ने पढ़ाई के लिए बसों स्कूटर साइकिल की व्यवस्था की हुई है हमारे बच्चों को परेशानी ना हो अपने माता-पिता द्वारा दी गई।

सुविधाओं का लाभ उठाकर उनके और अपने सपनों को साकार करें।मच से बोलते हुए पवन लता ने कहा कि केवल इसे कार्यक्रम वच्चिया ही आयीं है उनकी माताएं भी साथ होती है भविष्य में जब भी भागेदारी अधिक होनी चाहिए।बच्चों कि देखरेख में माता का विशेष स्थान होता है। सहायक अभियंता संजीव कुमार यादव ने बताया कि में सिर्फ इण्टर किया था में पिता जी की मृत्यु हो गई आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं थी फिर भी मैंने मेहनत की आज इस पद पर पहुंचा हूं।उन्होंने कहा मेहनत कभी भी असफल नहीं होती है सफलता जरूर मिलती है।

वीरेंद्र सिंह यादव पूर्व न्यायमूर्ति इलाहाबाद ने अपने सम्बोधन में कहा कि बच्चों को माता पिता अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बच्चे किसी भी गलत संगति में न पड़ें जाय क्योंकि बनने और बिगड़ने की भी यही उमर होती है।यादव ने कहा कि हम सब का दायित्व है समाज में जो कुरितियां व अन्ध विशवास फैला हुआ है उसको समाप्त कर समाज को गति प्रदान में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि अगर आपसे में किस प्रकार के मनमुटाव या झगड़े हैं उन्हें आपस में मिलकर बैठकर दूर करने चाहिए कोर्ट कचहरी में भी समय व धन की हानि होती है और दोनों पक्षों की शक्ति एक दूसरे को हानि पहुंचने की रहती है। दोनों पक्ष परेशानी रहते हैं। अच्छी सोच और अच्छी विचार वे अच्छा आचरण प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में धारण करना चाहिए। लॉर्ड कृष्णा इंटरनेशनल एकेडमी की छात्राओं द्वारा मां सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की।

13 अगस्त को गूंजेगा तिरंगे का जयघोष, निकलेगी भव्य रैली

हर घर तिरंगा रैली की तैयारियां पूरी, देशभक्ति के रंग में रंगेगा शहर

- सुभाष चौक से हैबिटेट सेंटर तक निकलेगी विशाल तिरंगा रैली
- रैली के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रमाण पत्र वितरण, विभाजन विभीषिका दिवस की तैयारियां भी पूरी
- सीडीओ ने हर घर तिरंगा रैली एवं विभाजन विभीषिका दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ कार्यालय कक्ष में बैठक आहूत की गई।बैठक में सीडीओ ने विचार विमर्श करते हुए निर्धारित किया कि 13 अगस्त को प्रातः 8:00 बजे सुभाष चौक से भव्य एवं विशाल हर घर तिरंगा रैली का शुभारंभ किया जाएगा, जो कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर पर संपन्न होगी। इस रैली में स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी के साथ आम जन की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि रैली का आकर्षण पीएसी की 38वीं वाहिनी के बैंड दल की मधुर धुनें और देशभक्ति गीत होंगे, जो पूरे माहौल को देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत कर देंगे। रैली के समापन के उपरांत कल्याण सिंह हैबिटेट ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।सीडीओ ने आगे कहा कि 14 अगस्त को कलैक्ट्रेट सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के आयोजन की तैयारियों को भी अंतिम रूप दे दिया गया है, जिससे कार्यक्रम गरिमा एवं गंभीरता के साथ संपन्न हो सके।बैठक में पीडी डीआरडीए भाल चन्द त्रिपाठी, डीडीओ आलोक आर्या, डीसी एनआरएलएम मंजू त्रिपाठी, बीएसए राकेश कुमार सिंह, डीपीओ के.के. राय, सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार, डीएसटीओ ए.के. दीक्षित, आरटीओ व पंचायती राज कार्यालय के पटल सहायक दीपक एवं अंजुम उपस्थित रहे।

अमेरिका का भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ

भारत के सम्मान पर सीधा प्रहार: शीतल टण्डन

भारत संवाद

सहारनपुर ।उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल की जनपद इकाई के स्थानीय रेलवे रोड पर आज एक संक्षिप्त बैठक को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन व मुख्य संरक्षक मेजर एस.के.सूरी ने कहा कि जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्णय केवल एक व्यापारिक नीति नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को कमजोर करने का एक सुनियोजित प्रयास है। यह कदम भारत-अमेरिका के दशकों पुराने विश्वास व सहयोग के रिश्तों को ठेस पहुंचाता है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमों व भावना के पूरी तरह खिलाफ है। श्री टण्डन ने कहा कि भारत सरकार इसको आर्थिक अन्याय व अघोषित आर्थिक युद्ध मानती है। हमारा देश किसी भी व्यापारिक दबाव को सहन नहीं करेगा।यह केवल भारत के निर्यातकों के लिए ही नहीं बल्कि हमारे किसानों, कारीगरों और उद्योगों और करोड़ों मेहनतकश भारतीयों के लिए एक चुनौती है।

श्री टण्डन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा शुरू से ही अपने दूसरे कार्यकाल में अपनी गरिमा के विपरीत बयान व नीतियां घोषित की जा रही है जिसका नुकसान आने वाले समय में अमेरिका के आयातकों व उपभोक्ताओं को भी होगा। उन्होंने आहवान किया कि अब समय आ गया है कि भारतीय बाजार से अमेरिका सामानों का बहिष्कार किया जाये और अमेरिकी ब्रान्डस व उनके सामानों का उपयोग बन्द करें। अपने स्वदेशी उत्पाद को बढायें जाने के लिए वोकल फार लोकल और मेक इन इंडिया को मजबूत करते हुए हर क्षेत्र में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए। श्री टण्डन ने कहा कि यह केवल सरकार की लडाई नहीं है बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक उत्तर है। जैसे स्वतंत्रता संग्राम में विदेश वस्त्रों का बहिष्कार हुआ था वैसे ही हमें अमेरिका वस्तुओं का बहिष्कार करना होगा। अब हर भारतीय को नो टू अमेरिका का संदेश देना होगा तभी अमेरिका को अपनी गलती का अहसास होगा। साथ ही हमें इस बात का भी प्रचार करना होगा कि स्वदेशी अपनाओं अमेरिकी सामान हटाओ-भारत पहले अमेरिका बाद में। साथ जो देश हमारे साथ ही उनका सामान हमारे पास नहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी भारत पहले अमेरिका बाद में। साथ जो देश हमारे साथ ही उनका सामान हमारे पास नहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी उत्पादों में प्रमुख रूप से देशवासियों को व प्रमुख उपभोक्ताओं को कोलाकोला, फैन्टा, थम्पअप, पेप्सी, मैकडान्ल्स, डोमिनो पीजा, बर्गर किंग सबवे, केएफसी, पिजाहट आदि वस्तुओं का बहिष्कार करना होगा। श्री टण्डन ने प्रत्येक भारतीय से अपील की कि वे अपने परिवार, दोस्तों व बच्चों को इन अमेरिकी ब्रांडों से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लें।

फास्ट ट्रैक

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष कल जनपद में

कामकाजी महिलाओं के समूह का करेंगी दौरा, अधिकारियों के साथ करेंगी बैठक

भारत संवाद

सहारनपुर। अध्यक्ष राष्ट्रीय महिला आयोग श्रीमती विजया राहतकर 12 अगस्त को पूर्वान्ह 11:00 बजे जनमंच सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी। इसके उपरान्त दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रोग्राम में भाग लेंगी। अपरान्ह 02 बजे सर्किट हाउस सभागार में जनसुनवाई करेंगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार माननीय अध्यक्ष सायं 04:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। 05:30 बजे कामकाजी महिलाओं के समूह का दौरा करेंगी। जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल ने जानकारी देते हुए संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई कार्यक्रम में अपने-अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की सूचनाओं सहित निर्धारित तिथि एवं समय पर स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

कैम्पस ड्राइव का आयोजन 12 अगस्त को आईटीआई में

भारत संवाद

सहारनपुर, मुख्यमंत्री मिशन रोजगार के अन्तर्गत जनपद में प्रत्येक माह एक कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जाता है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 06 अगस्त से 13 अगस्त 2025 के मध्य दिव्यागंजन रोजगार अभियान के अन्तर्गत जनपद के दिव्यागंजनो को रोजगार उपलब्ध कराया जाना है। दोनों रोजगार कार्यक्रमो के उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु जनपद स्तरीय कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है ताकि कैम्पस ड्राइव के माध्यम से युवाओ को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकें। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य श्री राकेश कुमार ने बताया कि जनपद में कैम्पस ड्राइव 12 अगस्त को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली रोड में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें श्रीमती ममता देवी ओटोमोबाईल इस्कोट कुबोटा सहारनपुर, हिरो मोटर्स कॉर्प लि0 हरिद्वार उत्तराखंड, महिंद्रा एण्ड महिंद्रा (स्वराज) मोहाली प्रतिभाग कर रही है।

सांप के काटने से बुजुर्ग की मौत

उपला निकालते समय हुआ हादसा, परिजनों में शोक का माहौल

सुलतानपुर, अखंड नगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दुखद घटना सामने आई। रुपईपुर गांव की 68 वर्षीय चिंता देवी को सांप ने काट लिया। वह खाना बनाने के लिए उपले निकाल रही थीं। सांप के काटने के बाद चिंता देवी की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन पहले उनकी झाड़-फूंक कराने लगे। हालत ज्यादा खराब होने पर दोपहर करीब डेढ़ बजे एंबुलेंस 108 से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टर विष्णु स्वरूप यादव ने बताया कि महिला को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तुरंत थाने को सूचना दी। बेलवाई चौकी प्रभारी विनोद पटेल उपनिरीक्षक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी दीपक कुशवाहा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिजली तार की चपेट में आने से युवक की मौत

सुलतानपुर के बनकेपुर गांव में हादसा, अस्पताल ले जाते समय ट्रक ड्राइवर की गई जान

सुलतानपुर, धम्मौर थाना क्षेत्र के बनकेपुर गांव में रविवार रात एक दुखद हादसा हुआ। लटके बिजली के तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान लईक अहमद पुत्र सनाउल्ला के रूप में हुई है। लईक अहमद अचानक लटक रहे बिजली के तार की चपेट में आ गए। परिजन तुरंत उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज सुलतानपुर ले गए।

असादपुर कायम में नगर निगम संपत्ति को नगर निगम ने कराया कब्जा मुक्त-

नगर आयुक्त के निर्देश पर हुई बड़ी कार्रवाई कब्जा मुक्त हुई 9 करोड़ की संपत्ति

भारत संवाद

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देश पर नगर निगम के संपत्ति विभाग द्वारा आज बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम असादपुर कायम स्थित गाटा संख्या 181 की 4910 वर्ग मीटर सरकारी ऊसर भूमि को कब्जा मुक्त कराते हुए नगर निगम संपत्ति का बोर्ड लगाया गया। इसके साथ ही गाटा संख्या 271 पर स्थित सरकारी भूमि पर भी नगर निगम संपत्ति का बोर्ड स्थापित किया गया। वर्तमान समय में उक्त भूमि का अनुमानित मूल्य लगभग 9 करोड़ रुपये है। नगर आयुक्त के निर्देश पर इस कार्रवाई से सरकारी भूमि को अतिक्रमण से बचाने और नगर निगम की संपत्ति को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

नगर आयुक्त का बयान नगर आयुक्त ने कहा अतिक्रमण मुक्त करने की यह प्रक्रिया आगे भी निरंतर जारी रहेगी और नगर निगम की एक-एक इंच भूमि को सुरक्षित किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि नगर निगम की संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्यवाई अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव व सहायक नगर आयुक्त के निर्देशन में विजय गुप्ता (संपत्ति लिपिक), प्रवर्तन टीम, संपत्ति विभाग की टीम तथा तहसील कोल की टीम की संयुक्त मौजूदगी में संपन्न हुई।

इरफान मलिक युवा महानगर अध्यक्ष मनोनीत

भारत संवाद

सहारनपुर। मेरी आवाज सामाजिक सेवा संस्था के द्वारा इरफान मलिक को युवा महानगर अध्यक्ष बनाया गया सौंपा नियुक्ति पत्र कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव इसरार चैधरी वरिष्ठ सपा नेता इसरार प्रमुख मेरी आवाज सामाजिक सेवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष वसीउल्ला खान जिला अध्यक्ष सलमान सलमानी एवं एडवोकेट मेहरुद्दीन के द्वारा हसनपुर निवासी इरफान मलिक को उनके आवास पर नियुक्ति पत्र सौपा गया इस दौरान प्रदेश सचिव इसरार चैधरी एवं वरिष्ठ सपा नेता इसरार प्रमुख ने कहां की युवाओं को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और जनहित के कार्य चाहे राजनीतिक पार्टी हो या फिर कोई सामाजिक संस्था से जुड़कर युवाओं को जनता की सेवा करनी चाहिए!।इस मौके पर सपा नेता इम्तियाज खान शाहजेब हसन एडवोकेट रियासत हुसैन रिजवान ढमोला मौजूद रहे।

काकोरी ट्रेन एक्शनशताब्दी महोत्सव का उत्साहपूर्वक आयोजन

भारत संवाद

शोभित विश्वविद्यालय गंगोह में काकोरी ट्रेन एक्शनशताब्दी महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया जिसके अंतर्गत अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के छात्र एवं छात्राओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का शुभारंभ शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के कुलपति प्रो.(डॉ.) रणजीत सिंह, कुलसचिव प्रो.(डॉ.) महिपाल सिंह, संस्था के केयर टेकर सूफी जहीर अख्तर, एवं अन्य शिक्षकगण ने मां सरस्वती एवं बाबू विजेंद्र कुमार जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट एंड लैंग्वेजेज विभाग की डीन एंड हेड प्रो.(डॉ.) गुंजन अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण का स्वागत कर की, तत्पश्चात प्रो.(डॉ.) गुंजन अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज प्रमोद गोयल एवं प्रो.(डॉ.) मदन कौशिक ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के कुलसचिव प्रो.(डॉ.) महिपाल सिंह एवं संस्था के केयर टेकर सूफी जहीर अख्तर ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्काकोरी ट्रेन एक्शनश शताब्दी महोत्सव देशभक्ति और देश के प्रति प्रेम की भावना को पुनर्जीवित करने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण डॉ. अनिल डोगरा, डॉ. विकाश पँवार, डॉ. करुणा अग्रवाल, जूही अग्रवाल, विकास कुमार, अर्जुन, रेनू चैधरी शुभम, नगमा, राजन आदि शिक्षकगण का विशेष योगदान रहा।

एससी आरक्षण के लिए दो दिवसीय भूख हडताल

भारत संवाद

सहारनपुर। कहार, कश्यप कुम्हार, निषाद, समाज की 17 अति पिछडी जातियों के एससी आरक्षण हेतु दो दिवसीय भूख हड़ताल कर धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया व मांगो को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री व देश के प्रधानमंत्री के नाम सौपा गया।

हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर कहार, कश्यप कुम्हार, निषाद, समाज की 17 अति पिछडी जातियों के एससी आरक्षण हेतु दो दिवसीय भूख हड़ताल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गयां कार्यक्रम संयोजक भोपाल सिंह कश्यप व कहार, कश्यप, कुम्हार, धीवर, निषाद समाज के जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा सरकार से मांग करते हुए कहा कि उत्त्र प्रदेश में भिन्न-भिन्न नामो से पहचाने जाते है लेकिन महोदय इन सब की जाति एक की है (मझवार) व केन्द्र भारतीय जनता पार्टी सरकार पिछडे कई वर्षों से कार्य कर रही है उ0प्र0 बीजेपी ने 2012 के मैनोफ्रेस्टो में भी वादा किया था।2015 में समाज के बीच और संसद राज्य सभा में योगी आदित्यनाथ ने इस मुद्दे को उठाया की इन सभी 17 अति पिछडी जातियो को एससी आरक्षण मिलना चाहिए।परन्तु उत्तर प्रदेश में दो बार व केन्द्र में भी तीने योजना पूरी होने को है।17 अति पिछड़ी जातियों को- जिसमें (मझवार, कहार, कश्यप, केवट, धीमर, धिवंर, निषाद, मल्लाह, बिन्द, भर, राजभर, बाथम, तुरहा, गोडिया, मांझी, मछुआ) (सिल्पकार) कुम्हार, प्रजापति, को एससी आरक्षण नही दिया गया। जिस तरह लोकसभा चुनाव में जनता ने पूर्णतया भारतीय जनता पार्टी को वोट ने देकर सबक देने का कार्य किया है इसी प्रकार 2027 में भी उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में भी वर्तमान सरकार को इनका प्रकोप झेलना पड़ेगा अब फैसला सरकार के हाथ मे है

अन्तर्राष्ट्रीय उद्यमी, हस्तशिल्पी, कारीगर, मेला 18 अगस्त को

भारत संवाद

सहारनपुर। प्रदेश सरकार द्वारा हस्तशिल्पियों एवं निर्यातकों को अपने उद्योग को बढावा देने हेतु 25 से 29 सितम्बर 2025 के मध्य प्रतिभाग करने हेतु जनपद के उद्यमियों एवं निवेशकों से आवेदन पत्र मांगे गये है।

उपायुक्त उद्योग डॉ0 बनवारी लाल ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मेले में जिलों के उत्कृष्ट उत्पाद के परम्परागत कारीगरों, हस्तशिल्पियों, उद्यमियों, निर्यातकों की सहभागिता करायी जायेगी, जिनके उत्पाद उत्कृष्ट कोटी के होंगे उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मेले में प्रदर्शित किया जाएगा। मेले में ओडीओपी के तहत वुड एवं होजरी उत्पाद के स्टॉल लगाये जायेंगे। ओडीओपी से जुडे कारीगरों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मेले में प्रतिभाग करने हेतु 343 स्टॉल्स का आंवटन किया गया है जिसमें जनपद सहारनपुर को 15 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है एवं एमएसएमई स्टॉल, वूमेन, युवा उद्यमी योजनान्तर्गत जनपद को 07 का लक्ष्य आवंटित किया गया है।

प्रत्येक स्टॉल का साइज 09 वर्ग मीटर है। प्रतिभागियों को ओडीओपी विपणन सहायता योजना के अन्तर्गत आयोजनोपरांत धनराशि की प्रतिपूर्ति की जायेगी। योजनान्तर्गत यह आयोजन होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मेले के प्राविधान से आच्छादित होगा।

जनपद के ऐसे सभी उद्यमी, हस्तशिल्पी, कारीगर, निवेशक जो अन्तर्राष्ट्रीय मेले में प्रतिभाग करना चाहते है वह 18 अगस्त तक अपना आवेदन जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र में जमा करने हेतु सम्पर्क कर सकते है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

फेस्टिव सीजन पर रॉयल लुक पाने के लिए स्टाइल करें ए-लाइन कुर्ता और प्लाजो सेट

अगर आप फेस्टिव सीजन में रॉयल लुक पाना चाहती हैं तो आप ये ए-लाइन कुर्ता और प्लाजो सेट इस खास मौके पर स्टाइल कर सकती हैं जो कि रॉयल लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

फेस्टिव सीजन में महिलाएं रॉयल लुक चाहती हैं और इस वजह से वो बेस्ट आउटफिट की तलाश में होती है। वहीं अगर आप भी फेस्टिव सीजन में रॉयल लुक चाहती हैं तो आप ए-लाइन कुर्ता और प्लाजो सेट स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस के ए-लाइन कुर्ता और प्लाजो सेट दिखा रहे हैं जो आप फेस्टिव सीजन पर पहनने के लिए बेस्ट हैं। इस तरह के आउटफिट में जहां आपका लुक रॉयल नजर आएगा तो वहीं भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

एम्ब्रॉयडरी जॉर्जेट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो

अगर आप कुछ न्यू चाहती हैं तो आप इस तरह की एम्ब्रॉयडरी जॉर्जेट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो सेट स्टाइल कर सकती हैं। इस ए-लाइन कुर्ता में एम्ब्रायडरी वर्क किया है साथ ही जो प्लाजो हैं वो सिंपल है। इस तरह के आउटफिट में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा। यह आउटफिट आप 2000 से 3000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं। इस एम्ब्रॉयडरी जॉर्जेट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो के साथ आप फुटवियर में मोजरी साथ ही ज्वेलरी में झुमके स्टाइल कर सकती हैं। रॉयल लुक के लिए आप इस तरह की ए-लाइन कुर्ता प्लाजो भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की ए-लाइन कुर्ता प्लाजो के साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी साथ साथ ही फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो

अगर आप न्यू लुक चाहती है तो आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो का भी चुनाव कर सकती हैं। ये सूट फ्लोरल पैटर्न में है और कॉटन फैब्रिक में है। ये आउटफिट स्लीवलेस है और फेस्टिव सीजन पर रॉयल लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन है। इस तरह का आउटफिट आपको 2000 तक की कीमत में मिल जाएगा।

परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई तो होता ही है, यह सामाजिक व्यवहार का छोटा आईना भी होता है। यहां जैसा आचरण, जैसा स्वरूप इंसान रखता है, दुनिया में भी उसकी स्थिति कमोबेश वैसी ही होती है। इसीलिए कहा जाता है कि सारे रवैए घर से दुरुस्त करते चलें। अनुशासन और नियम इसमें मदद करते हैं।

सामाजिक व्यवहार का आईना होता है परिवार

घर का मुखिया अनुशासित होता है, तो परिवार भी अनुशासन में रहता है। परिवार कितना विकसित होता है और कैसे एक खुशहाल और मजबूत परिवार के रूप में उभरकर आता है यह निर्भर करता है उस घर के 'मुखिया' पर। उनका घर के छोटे और बड़े सदस्यों के प्रति व्यवहार व अनुशासन प्रणाली इस प्रकार होनी चाहिए जो परिवार को एक मजबूत व प्रेम की डोरी में बांधकर रख सके। और इसकी शुरुआत होती है घर के छोटे सदस्यों के बालपन से। परिवार के छोटे सदस्य अपने बड़ों से दो प्रकार से सीखते हैं, पहला, जो उन्हें बोलकर सिखाया जाता है, दूसरा, जो बोला है उसे करके दिखाकर। स्पष्ट है, आचरण बोलकर नहीं, अभ्यास में लाकर सिखाया जाता है।

पर अनुशासन जरूरी क्यों है?

हम कई बार किसी भी व्यक्ति के लिए सुनते हैं कि 'वह अच्छे परिवार से है', लेकिन सवाल यह है कि 'अच्छा परिवार' बनता कैसे है? अच्छा परिवार यानी अनुशासित और जिम्मेदार परिवार, जहां हर सदस्य नियम और कायदों के साथ चलता है। नियम ही परिवार, मनुष्य और वस्तुओं के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करते हैं। परिजनों, मेहमानों, मूक प्राणियों की भावनाओं तथा वस्तुओं और व्यवस्थाओं के प्रति संवेदनशीलता की जैसी कद्र इंसान घर में करेगा, वैसा ही उसका आचरण बाहर की दुनिया में होगा। नियम और कायदे परिवार की नींव हैं, जो व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाते हैं। इससे सबका जीवन समान रूप से व्यतीत होता है और वे परिवार के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। जिम्मेदारी का भाव घर के साथ-साथ बाहर भी कायम रहता है इस तरह तय कर सकते हैं नियम –

एक वक्त का खाना साथ खाएं

कहते हैं कि जो परिवार साथ बैठकर खाना खाता है वो हमेशा एक-साथ होता है। साथ खाना खाने से रिश्ते मजबूत होते हैं और एक-दूसरे के अनुभव साझा करने के लिए भी वक्त मिल जाता है। घर के बड़े एक ऐसा वक्त चुन सकते हैं जब पूरा परिवार घर पर मौजूद हो, जैसे कि रात का भोजन साथ कर सकते हैं। यह नियम भी होना चाहिए कि भोजन करते समय कोई अन्य कार्य नहीं करेगा जैसे कि ना तो मोबाइल का इस्तेमाल करना है और ना ही टीवी देखना है। ध्यान केवल परिवार और भोजन पर होना चाहिए।

प्रार्थना भी सभी सदस्यों के साथ करें

जब हम प्रार्थना, पूजापाठ या इबादत करते हैं, तो अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी प्रार्थना करते हैं। यदि बच्चों को इसमें शामिल करेंगे, तो उनमें स्वार्थ का भाव दूर होने के साथ-साथ दूसरों के लिए प्रार्थना करने का भाव विकसित होगा। इसका दूसरा फायदा यह भी है कि यदि रीति-रिवाज बच्चों में छुटपन से ही डालेंगे, तो वे इन्हें समझेंगे, संस्कारी बनेंगे और जानकार भी। सुबह और शाम के समय यदि बच्चे घर पर मौजूद हैं, तो उन्हें पूजापाठ में शामिल करें। बड़ों के द्वारा की जा रही विधियों को देखकर ही बच्चे सीख सकते हैं। एक समय की प्रार्थना में पूरे परिवार की उपस्थिति अनिवार्य करें। जब एक-साथ प्रार्थना करेंगे, तो साथ मजबूती से खड़े हो सकेंगे।

सबके दायरे तय करें

घर में किस समस्या की चर्चा पर कौन शामिल होगा और किस हद तक शामिल होगा यह घर के मुखिया को तय करना होगा। छोटे किन मुद्दों में शामिल होंगे और किन में नहीं ये दायरे तय करने का हक भी सिर्फ घर के मुखिया या बड़ों का होगा। इन सारी बातों से छोटों में एक अनुशासित व्यवहार विकसित होगा, साथ ही साथ परिवार के सदस्यों में प्रेम व सम्मान बना रहेगा।

समय सीमा का नियम बनाएं

कुछ चीजों के लिए समय सीमा तय करें जिसका पालन बच्चों से लेकर बड़ों तक सब करें। एक नियम आठ घंटे की नींद लेने का बनाएं। ये सबके लिए समान हो। ऐसा ना हो कि बच्चों को जल्दी सोने के निर्देश देकर बड़े देर रात तक जागते रहें। दूसरा नियम घर लौटने के समय का है। कोशिश यह करनी है कि हर सदस्य तय समय तक घर लौटकर आ जाए। हालांकि जिनकी देर रात तक दफ्तर में काम करने की मजबूरी है, उन्हें छूट दी जा सकती है, लेकिन अन्य सदस्यों के लिए यह नियम अपरिवर्तनीय होना चाहिए।

भेदभाव पैदा ना होने दें

प्रिय बच्चे या प्रिय बहू-बेटे को लेकर पक्षपात वाला रवैया बड़े ना बनाएं। जिन नियमों में लचीलापन है, वो सबके लिए है और जिनके पालन में छूट नहीं दी जा सकती, वो भी सबके लिए समान हो। फिर भी सवाल उठ सकते हैं, जैसे पहले जिन मामलों में सख्ती थी, अब छूट क्यों है? ऐसे सवालों पर घर के मुखिया को खुलकर बात करनी चाहिए और अपना पक्ष इस तरह स्पष्ट करना चाहिए कि बच्चों के मन में कोई कड़वाहट ना उपजे। सवाल पूछने, जिज्ञासाओं को सामने रखने को प्रोत्साहित कीजिए, यह असरदार और कारगर प्रक्रिया है।

वित्तीय जिम्मेदारी बराबर रखें

संयुक्त परिवार में घर खर्च के हिस्सों को लेकर सबसे ज्यादा मुद्दे खड़े होते हैं। अगर परिवार में दो बेटे हैं, एक की आय दूसरे की तुलना में कम है तो इसे संतुलित करने की जिम्मेदारी भी मुखिया की है। जब घर खर्च को सदस्यों में बांटें, तो फीसदी के हिसाब से तय करें, जैसे हर सदस्य को अपनी आय का पांच या दस फीसदी देना है।

बगीचे में हो गई है अधिक जंगली-घास तो इन तरीकों से हमेशा के लिए हटाए

गार्डनिंग करना लगभग सभी पसंद करते हैं। सप्ताह में कम से कम एक से दो दिन गार्डन में पौधे लगाने, पानी डालने और उसकी अन्य रूप से देखभाल करने के लिए भी समय-समय पर ज़रूर जाते हैं, लेकिन कई बार बगीचे में अनचाही घास उग जाती है, जिसके चलते पौधे ख़राब हो जाते हैं, या कभी-कभी सूख भी जाते हैं। कई बार ये घास जड़ से खत्म भी नहीं होती है, और पौधों को नुकसान पहुंचाते रहते हैं।

अगर आपके भी बगीचे में जंगली घर-फूस कुछ अधिक ही उग गई है, तो आप उसे कुछ ही दिनों में हमेशा के लिए हटा सकती हैं। जी हां, क्यूंकि आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप उन्हें जड़ से खत्म कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं-

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा से घास-फूस को खत्म किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल आप जंगली घास को भी हटाने के लिए कर सकती हैं। इसके लिए आप घास पर इनका छिड़काव अच्छे से कर दीजिये। इससे घास झुलस जाएगी और बगीचे की मिट्टी पर भी इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

गरम पानी

गरम पानी से भी आप जंगली घास को एकदम जड़ से खत्म कर सकती हैं। इसके लिए आप उबलते हुए पानी को जंगली घास वाली जगहों पर डाल दीजिये। एक से दो दिन बाद जंगली घास अपने आप सूखकर मिट्टी में मिल जाएगी। इसी तरह आप सिरके का भी जंगली घास को हटाने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।

नमक

अगर पौधे के आसपास कुछ अधिक ही जंगली घास उग गई है, तो आप उसे हटाने के लिए नमक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए इस जंगली घास की जड़ों में चुटकी से नमक को डालकर छोड़ दीजिये। एक से दो दिन में ये घास अपने आप मुरझा जाएगी। नमक के डालने से दुबारा जंगली घास उस जगह पर नहीं उगती है।

ब्लीच

ब्लीच बगीचे की अतिरिक्त घास-फूस को जड़ से हटाने में आपकी काफी मदद कर सकता है। आप ब्लीच को घास की जड़ों में रखकर कुछ दिन के लिए छोड़ दीजिये, इससे घास कुछ दिनों में अपने आप सूख जाती है। घास सूख जाने के बाद आप वहां से उन्हें उखाड़ के बाहर फेक दीजिये।

तेल के पुराने कनस्तर को फेंके नहीं, ऐसे करें इसका इस्तेमाल

तेल के पुराने कनस्तर को फेंकने की बजाय, इन्हें क्रिएटिव तरीके से इस्तेमाल करके आप न केवल पर्यावरण की हिफाजत कर सकते हैं, बल्कि अपने घर को भी सुंदर और उपयोगी चीजों से सजा सकते हैं।

तेल के पुराने कनस्तरों को फेंकने के बजाय, आप इन्हें कई क्रिएटिव तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं। ये कनस्तर न केवल आपके घर को सजा सकते हैं, बल्कि आपके लिए उपयोगी भी साबित हो सकते हैं। तेल के पुराने कनस्तर को दोबारा इस्तेमाल करने से पहले, आपको उसे साफ करना होगा।

- गर्म पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा और डिश वॉश लिक्विड मिलाएं।
- इस पानी में कनस्तर को डालकर आधा या एक घंटे के लिए छोड़ दें।
- एक घंटे बाद, ब्रश से कनस्तर को साफ करें।
- कनस्तर से पानी निकल जाने या सूख जाने के बाद, आप उसे दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अगर कनस्तर चिकना है, तो आप 3-4 गिलास गर्म पानी में 5 चम्मच सिरका और बेकिंग सोडा मिलाकर, उसमें थोड़ा साबुन डाल सकते हैं। फिर, इस पानी से स्क्रब करके कनस्तर को साफ करें।

फूलदान या प्लांटर

पुराने तेल के कनस्तर को अच्छी तरह से धोकर साफ करें और इसे एक सुंदर प्लांटर या फूलदान के तौर पर इस्तेमाल करें। इसे आप अपने बगीचे या बालकनी में रख सकते हैं। इसके लिए, कनस्तर के नीचे कुछ छोटे छेद कर दें, ताकि पानी निकल सके, फिर इसमें मिट्टी भरकर पौधा लगाएं।

स्टोरेज कंटेनर

तेल के कनस्तर को स्टोरेज कंटेनर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें आप गार्डन टूल्स, स्पेयर पार्ट्स, या अन्य छोटे सामान को स्टोर कर सकते हैं। कनस्तर को पेंट करके और सजाकर इसे और आकर्षक बना सकते हैं।

कैंडी या बिस्किट टिन

अगर तेल का कनस्तर छोटा और मेटल का है, तो इसे कैंडी, बिस्किट या ड्राई फ्रूट्स स्टोर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे अंदर से अच्छी तरह साफ करके, आप इसे खाने वाली चीजों के स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

कचरा रखने के लिए बिन

आप तेल के कनस्तर का इस्तेमाल कचरा रखने के लिए बिन के रूप में कर सकते हैं। इसे घर के बाहर या किचन में रखें और कचरा डालने के लिए इस्तेमाल करें। इससे प्लास्टिक की बर्बादी भी कम होगी और आपके घर में एक नया कचरा रखने के लिए बिन भी तैयार हो जाएगा।

हैंडल या स्कूप

बड़े तेल के कनस्तर को आधे हिस्से में काटकर हैंडल या स्कूप के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह गार्डन में मिट्टी उठाने या अन्य घरेलू कार्यों के लिए उपयोगी हो सकता है।

डेकोर आइटम

आप तेल के कनस्तर का उपयोग अलग-अलग डेकोरेटिव आइटम बनाने के लिए कर सकते हैं। इसे पेंट करें, सजाएं और दीवार पर सजावट के लिए या लैंप शेड के रूप में इस्तेमाल करें।

भारत बोला- परमाणु धमकी पाकिस्तान की आदत

हमें सुरक्षा करना आता है; आसिम मुनीर ने कहा था- सिंधु पर बांध बना तो मिसाइल मारेंगे

एजेंसी

टेक्सास, भारत ने सोमवार को पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर की परमाणु धमकी का जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हमें अपनी सुरक्षा करना आता है। किसी मित्र देश की धरती से की गई ये टिप्पणी खेदजनक है। दुनिया देख सकती है कि ऐसे बयान कितने गैरजिम्मेदाराना हैं। ये बातें उस देश पर भी शक पैदा करती हैं, जहां परमाणु हथियारों का सुरक्षित होना तय नहीं है और सेना का आतंकियों से संबंध माना जाता है। दरअसल, मुनीर इस वक्त अमेरिका के दौरे पर हैं। द प्रिंट की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि हम भारत में सिंधु नदी पर डैम बनने का इंतजार करेंगे, और भारत जब ऐसा कर लेगा तो फिर 10 मिसाइल मारकर उसे गिरा देंगे। मुनीर ने कहा कि सिंधु नदी

भारत की फैमिली प्रॉपर्टी नहीं है, हमारे पास मिसाइलों की कमी नहीं है। आसिम मुनीर ने कहा था, 'भारत के सिंधु जल समझौता रद्द करने के फैसले से 25 करोड़ लोगों के लिए भुखमरी का खतरा पैदा हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।' आसिम मुनीर ने ये धमकी, टाम्पा के ग्रैंड हयात होटल में पाकिस्तान मूल के कारोबारी अदनान असद की तरफ से रखे गये एक डिनर कार्यक्रम में दी है, जिसमें करीब 120 पाकिस्तानी डायस्पोरा के सदस्य मौजूद थे। फील्ड मार्शल मुनीर अमेरिका की मध्य कमान के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला के सेवानिवृत्ति समारोह में शामिल होने फ्लोरिडा आए थे। इस समारोह में इजराइल के रक्षा बलों का एक प्रतिनिधि भी मौजूद था। यह दो महीने में उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा है। इससे पहले वे 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल हुए थे। इसके अलावा मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ व्हाइट हाउस में दो घंटे की लंच मीटिंग की थी। यह बैठक बंद कमरे में हुई थी। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की। मुनीर ने भारत-अमेरिका के बीच हाल के टैरिफ तनाव पर मजाक उड़ाते हुए कहा कि पाकिस्तान को विश्व शक्तियों के बीच संतुलन बनाने की मास्टर-क्लास देनी चाहिए। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित किया, क्योंकि हम अच्छे काम की तारीफ करते हैं। पाकिस्तान सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 2026 के नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया था। पाकिस्तान का कहना है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की। पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा था कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई।

श्रीलंकाई सांसद बोले-भारत का मजाक मत उड़ाओ, वो हमारा दोस्त

हमारे मुश्किल में उसने मदद की; ट्रम्प के टैरिफ के खिलाफ भारत का समर्थन किया

एजेंसी

जयवर्धनेपुरा कोट्टे, श्रीलंका के सांसद हर्षा डी सिल्वा ने 50% टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत का समर्थन किया है। व्यापार मुद्दे पर भारत-अमेरिका में बढ़े तनाव पर बहस के दौरान श्रीलंका की संसद में हर्षा ने कहा कि हमारी सरकार भारत के साथ खड़े होने की बजाय मजाक कर रही है। हर्षा ने कहा- 'भारत का मजाक मत उड़ाओ। जब हम मुश्किल में थे, तब केवल भारत ने हमारी मदद की थी। अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। भारत को उम्मीद थी कि टैरिफ 15% तक कम होगा, और हमें भी यही उम्मीद थी।' उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात दोहराते हुए

लिखा, 'मैंने सरकार को भारत का मजाक उड़ाने के लिए लताड़ा। भारत हमारा सच्चा दोस्त है, जिसने हमारे सबसे कठिन समय में हमारा साथ दिया। हमें उनके संघर्ष का सम्मान करना चाहिए, न कि उसका मजाक उड़ाना चाहिए। भारत का साहस पूरे एशिया को प्रेरित करता है।' श्रीलंका 2022 में खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा था। श्रीलंका के पास विदेशी मुद्रा खत्म हो गई थी, जिसके कारण वह जरूरी सामान जैसे ईंधन, दवाइयां, और खाना आयात नहीं कर पा रहा था। इस दौरान भारत ने श्रीलंका का साथ दिया था। भारत ने श्रीलंका को लगभग 5 अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी, जिसमें 3.3 टन चिकित्सा सामग्री जैसे दवाइयां और जरूरी मेडिकल सामान शामिल थे। इसके अलावा, भारत ने 400 मिलियन डॉलर की मुद्रा स्वैप दी, ताकि श्रीलंका को तुरंत पैसे की कमी से राहत मिले। भारत ने 3.1 अरब डॉलर का कर्ज भी दिया, जिससे श्रीलंका खाना, ईंधन और दवाइयां जैसी जरूरी चीजें खरीद सका। साथ ही, भारत ने पेट्रोलियम, ट्रेन, बसें और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अनुदान और सामान भी दिया। अमेरिका ने श्रीलंका के सामानों पर 20% टैरिफ लगाया है, जो 7 अगस्त 2025 से लागू हो गया है। पहले अप्रैल 2025 में 44% टैरिफ की घोषणा की गई थी, जिसे बाद में जुलाई में 30% और फिर 31 जुलाई 2025 को 20% तक कम कर दिया गया। यह कमी श्रीलंका की व्यापारिक वार्ताओं और अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के बाद हुई। यह टैरिफ श्रीलंका के निर्यात, खासकर कपड़ा और रबर जैसे क्षेत्रों को प्रभावित करेगा, जो अमेरिका में सालाना करीब 3 अरब डॉलर का व्यापार करते हैं। श्रीलंका के अलावा हर्षा डी सिल्वा अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने भी भारत पर ट्रम्प के 50% टैरिफ को गलत बताया था।

अमेरिकी नॉन-वेज दूध की वजह से भारत पर टैरिफ

कनाडा में इस पर 300% तक टैरिफ; स्विट्जरलैंड, कोरिया और आइसलैंड में भी एंट्री नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, अमेरिका ने भारत पर सबसे ज्यादा कुल 50% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से ट्रेड डील पर बातचीत चल रही थी, जो नाकामयाब रही। इसके पीछे की बड़ी वजह भारत का कृषि और डेयरी के मामले में अमेरिका से समझौते से इनकार करना भी है। हालांकि भारत समेत 5 देश ऐसे हैं, जिन्होंने ट्रम्प सरकार से कृषि और डेयरी को लेकर कोई समझौता नहीं किया। इन देशों में भारत, साउथ कोरिया, कनाडा, स्विट्जरलैंड और आइसलैंड जैसे देश शामिल हैं। अमेरिका चाहता है कि उसके डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, पनीर, घी को भारत में आयात की अनुमति मिले। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं। भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आएंगे, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा, धार्मिक भावना भी जुड़ी हुई हैं। अमेरिका में गायों को बेहतर पोषण के लिए जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम (जैसे रैनेट) को उनके खाने में मिलाया जाता है। भारत ऐसी गायों के दूध को ह्यनॉन वेज मिल्कह्व यानी मांसाहारी दूध मानता है। इसके साथ ही अमेरिका चाहता है कि गेहूं, चावल, सोयाबीन, मक्का और फलों जैसे सेब, अंगूर आदि को भारत के बाजार में कम टैक्स पर बेचा जा सके। वह चाहता है कि भारत इन पर अपनी इम्पोर्ट ड्यूटी को कम करे। वहीं, भारत अपने किसानों की सुरक्षा के लिए इन पर हाई टैरिफ लगाता है, ताकि सस्ते आयात से भारतीय किसान प्रभावित न हों। इसके अलावा, अमेरिका जीएमओ फसलों को भी भारत में बेचने की कोशिश करता रहा है, लेकिन भारत सरकार और किसान संगठन इसका कड़ा विरोध करते हैं। जीन बदलकर बनाई गई फसल को जेनेटिकली मॉडिफाइड ऑर्गेनिज्म्स (जीएमओ) कहते हैं। अमेरिका दुनिया में जीएमओ फसलों का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। भारत ने कपास के अलावा बाकी सभी मॉडिफाइड फसलों पर रोक लगा रखी है। ये मॉडिफाइड फसलें वैज्ञानिक तरीके से बनाई जाती हैं। भारत में बीज और खाद्य सुरक्षा पर विदेशी कंपनियों का नियंत्रण राष्ट्रीय हित के खिलाफ माना जाता है। भारत अगर इसकी अनुमति दे देता है तो खेती-किसानी पर अमेरिकी कंपनियों का वर्चस्व बढ़ सकता है। इसके अलावा स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे मुद्दे को लेकर भी इस फसल पर सवाल उठते रहे हैं। अमेरिका ने साउथ कोरिया पर 15% टैरिफ लगाया है। इसके बदले में साउथ कोरिया, अमेरिका से 100 अरब डॉलर की एनर्जी खरीदेगा और 350 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इसके साथ ही अमेरिकी सामानों की साउथ कोरिया के मार्केट में टैक्स फ्री एंट्री होगी। हालांकि साउथ कोरिया ने अपने किसानों के हित में चावल और बीफ मार्केट को ओपन नहीं किया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- चीन पर टैरिफ लगाना मुश्किल

राष्ट्रपति ट्रम्प अभी भी सोच रहे; यूएस-चीन टैरिफ डेडलाइन में सिर्फ 1 दिन बाकी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाने के सवाल पर कहा कि ऐसा कदम उठाना ज्यादा मुश्किल और नुकसानदेह हो सकता है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में वेंस ने कहा कि चीन पर टैरिफ लगाने का विचार चल रहा है, लेकिन अभी कोई पक्का फैसला नहीं हुआ है। वेंस ने कहा कि चीन के साथ रिश्ते सिर्फ तेल के मुद्दे तक सीमित नहीं हैं,

बल्कि कई और मामलों को प्रभावित करते हैं, इसीलिए मामला ज्यादा मुश्किल है। अमेरिका ने चीन पर फिलहाल 30% टैरिफ लगा रखा है। 12 अगस्त को इसकी समय सीमा खत्म हो रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब जुलाई में चीन ने रूस से 10 अरब डॉलर से ज्यादा का तेल खरीदा है। हालांकि इस साल अब तक की कुल खरीद 2024 की तुलना में 7.7% कम है। चीन ने रूस से तेल खरीदने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी देश के साथ आर्थिक और ऊर्जा सहयोग करना चीन का कानूनी अधिकार है। वह अपने राष्ट्रीय हितों के मुताबिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। ट्रम्प के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने इससे पहले कहा था कि चीन पर और ज्यादा टैरिफ लगाया जाएगा, इसकी संभावना कम है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करने से अमेरिका को भी नुकसान हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पिछले सप्ताह रूस से तेल खरीदने की दलील देकर भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद भारत पर कुल टैरिफ 50% हो गया। एक्स्ट्रा टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा।

पुरुषों के लिए 6, महिलाओं के लिए 3 सीटें

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण देने की आर्मी पॉलिसी की रद्द

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए अधिक रिक्तियां आरक्षित करने की भारतीय सेना की नीति को 'मनमाना' और समानता के अधिकार का उल्लंघन बताया। अदालत ने केंद्र को दो महिला याचिकाकर्ताओं में से एक को जेएजी विभाग में शामिल करने और पुरुष और महिला उम्मीदवारों के लिए एक संयुक्त मेरिट सूची जारी करने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने क्या कहा?

फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि कार्यपालिका नियुक्ति की आड़ में पुरुषों के लिए रिक्तियां आरक्षित नहीं कर सकती। जेएजी (न्यायाधीश महाधिवक्ता) विभाग में पुरुषों के लिए छह सीटें और महिलाओं के लिए केवल तीन सीटें आवंटित करने की नीति को मनमाना कहा गया और 2023 के भर्ती नियमों के विपरीत। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि कार्यपालिका पुरुषों के लिए रिक्तियां आरक्षित नहीं कर सकती। पुरुषों के लिए छह और महिलाओं के लिए तीन सीटें मनमाने ढंग से हैं और प्रेरण की आड़ में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि लिंग तटस्थता और

फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि कार्यपालिका नियुक्ति की आड़ में पुरुषों के लिए रिक्तियां आरक्षित नहीं कर सकती। जेएजी (न्यायाधीश महाधिवक्ता) विभाग में पुरुषों के लिए छह सीटें और महिलाओं के लिए केवल तीन सीटें आवंटित करने की नीति को मनमाना कहा गया और 2023 के भर्ती नियमों के विपरीत।

2023 नियमों का सही अर्थ यह है कि संघ सबसे मेधावी उम्मीदवारों का चयन करेगा। महिलाओं की सीटें सीमित करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। पीठ ने केंद्र को लिंग-तटस्थ तरीके से भर्ती करने और एक संयुक्त योग्यता सूची प्रकाशित करने का निर्देश दिया जिसमें पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवार शामिल हों। अदालत ने कहा, यह लिंग की परवाह किए बिना सबसे मेधावी उम्मीदवारों का चयन करके लिंग तटस्थता का सही अर्थ दशार्ता है।

एक याचिकाकर्ता को राहत, दोनों को नहीं

अदालत ने पहली महिला याचिकाकर्ता को जेएजी विभाग में शामिल करने का आदेश दिया, लेकिन दूसरी को उसकी योग्यता स्थिति का हवाला देते हुए राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि महिलाओं के लिए सीटें सीमित करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

लावारिस कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सीएम रेखा गुप्ता बोलीं, आवारा कुत्तों से परेशान हैं लोग, चरणबद्ध तरीके से लागू करेंगे सुप्रीम कोर्ट का आदेश

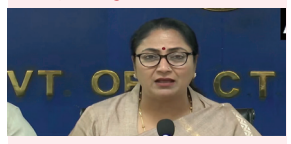

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या विकराल रूप ले चुकी है और उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार शीघ्र ही एक नीति लेकर आएगी तथा योजनाबद्ध तरीके से उच्चतम न्यायालय के आदेश को लागू करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अधिकारियों को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को हटाकर उन्हें आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया

एजेंसी

नई दिल्ली: लावारिस कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है. रउ ने दिल्ली के अधिकारियों को आवारा कुत्तों को उठाकर आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के राज्यों, एमसीडी और एनडीएमसी को आवारा

8 हफ्ते के भीतर पकड़कर शेल्टर होम में रखने का निर्देश

कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए कई निर्देश दिए हैं और सभी शहरों में डॉग शेल्टर बनाने का आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे आठ हफ़्तों के भीतर दिल्ली-एनसीआर के सभी इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को उठाकर डॉग शेल्टर में रखें. साथ ही, किसी भी आवारा कुत्ते को वापस नहीं छोड़ा जाएगा.

आवारा कुत्तों की समस्या बेहद गंभीर- सुप्रीम कोर्ट

शहर में आवारा कुत्तों की समस्या को बेहद गंभीर बताते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार और नगर निकायों को निर्देश दिया कि वे जल्द से जल्द सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को उठाकर आश्रय स्थलों में रखें. सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों के काटने की घटनाओं से निपटने के लिए कई निर्देश जारी किए, अदालत ने चेतावनी दी कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों को उठाने में अधिकारियों के आड़े आता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.5000 कुत्तों के लिए शेल्टर बनाने के आदेशन्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि फिलहाल, लगभग 5,000 आवारा कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाए जाने चाहिए और कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए पर्याप्त कर्मियों को वहां तैनात किया जाना चाहिए.सर्वोच्च अदालत ने ये भी कहा कि आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में रखा जाना चाहिए और उन्हें सड़कों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए. पीठ ने कहा, ₹हम व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए ये निर्देश जारी कर रहे हैं।

उच्च न्यायालय ने लैंड पूलिंग नीति पर लगाई रोक, पंजाब सरकार ने वापस लिया अपना फैसला

जारी किए गए आशय पत्रों (एलओआई) को रद्द करना, पूर्ण किए गए पंजीकरण, या नीतिगत ढाँचे के तहत लागू किए गए अन्य उपाय शामिल हैं। पंजाब के आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है, सरकार 14 मई, 2025 की भूमि पूलिंग नीति और उसके बाद के संशोधनों को वापस लेती है। परिणामस्वरूप, इसके तहत की गई सभी कार्रवाइयाँ अब से रद्द कर दी जाएँगी।

एजेंसी

बढ़ते राजनीतिक और कानूनी दबाव के बीच, पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार ने सोमवार को 14 मई, 2025 की विवादास्पद लैंड पूलिंग नीति और उसके बाद के सभी संशोधनों को वापस ले लिया। आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नीति के तहत की गई सभी कार्रवाइयाँ तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई हैं। इसमें जारी किए गए आशय पत्रों (एलओआई) को रद्द करना, पूर्ण किए गए पंजीकरण, या नीतिगत ढाँचे के तहत लागू किए गए अन्य उपाय शामिल हैं। पंजाब के आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है, सरकार 14 मई, 2025 की भूमि पूलिंग नीति और उसके बाद के संशोधनों को वापस लेती है। परिणामस्वरूप, इसके तहत की गई सभी कार्रवाइयाँ अब से रद्द कर दी जाएँगी। विवादास्पद भूमि पूलिंग योजना को वापस लेने की घोषणा के तुरंत बाद, शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने इस कदम को लोगों की जीत बताया। सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं बहादुर अकाली कार्यकर्ताओं, किसानों, मजदूरों और दुकानदारों को सलाम करता हूं

देश विरोधी ताकतों के दबाव में हैं राहुल गांधी:शिवराज सिंह चौहान

राहुल गांधी के पिछले आरोपों को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि ईवीएम के बाद, वह बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने लगे हैं और उन पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी बार-बार झूठ बोल रहे हैं और अराजकता फैलाना चाहते हैं।

एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को चुनाव आयोग

शिवराज ने चुनाव आयोग पर आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता पर कसा तंज

पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। एक पोस्ट शेयर करते हुए, चौहान ने कहा कि इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहा है और संवैधानिक संस्थाओं के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने लिखा, राहुल गांधी जी राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। वह और इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं, उसकी धज्जियाँ उड़ा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। राहुल गांधी के पिछले आरोपों को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि ईवीएम के बाद, वह बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने लगे हैं और उन पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी बार-बार झूठ बोल रहे हैं और अराजकता फैलाना चाहते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और कैग को बदनाम किया है। उन्होंने सेना के पराक्रम पर सवाल उठाए और जब सेना ने तथ्य पेश किए, तो उन्हें चुप करा दिया गया। उन्होंने बिना सबूत के ईवीएम पर सवाल उठाए, फिर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद ईवीएम को छोड़ दिया और अब रकफ पर आ गए हैं। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों में विपक्ष की चुनावी जीत पर सवाल उठाए। शिवराज ने आगे कहा कि मैं राहुल जी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहता हूँ: - क्या कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण जीती? - क्या तेलंगाना, तमिलनाडु और झारखंड में चुनाव आयोग की गलतियों के कारण सरकारें बनीं? - क्या राहुल जी, प्रियंका जी और अखिलेश यादव जी भी मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण चुनाव जीते?